राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार 07 मार्च 2024 वर्ष-7,अंक-44 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पूर्व सांसद धनंजय सिंह को 7 साल का कारावास

लखनऊ। जौनपुर एपपी-एमएलए कोर्ट ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह को आज 7 साल का कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। धनंजय को नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर के अपहरण और उससे रंगदारी मांगने के मामले में कोर्ट ने पहले ही दोषी करार दिया था, जिस पर बुधवार को सजा सुनाई गई है। पूर्व सांसद धनंजय सिंह को 7 साल कारावास की सजा सुनाने के साथ ही जौनपुर एमपी-एमएलए कोर्ट ने उस पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। गौरतलब है कि बीते मंगलवार 05 मार्च को कोर्ट ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह और संतोष विक्रम को दोषी करार दे दिया था। आज बुधवार को जब इस मामले की सुनवाई हो रही थी तो कोर्ट के बाहर अत्याधिक संख्या में धनंजय सिंह के समर्थक मौजूद रहे। इस मामले में दोषी करार दिए जाने के बाद सजा के तमाम बिंदुओं पर सुनवाई की गई। सुनवाई खत्म होने के करीब चालीस मिनट बाद धनंजय सिंह को एमपी-एमएलए कोर्ट ने सजा सुनाते हुए 7 साल का कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माना लगाया है। यहां बतलाते चलें कि सरकारी वकील ने सुनवाई के दौरान कोर्ट से धनंजय को आजीवन कारावास की सजा दिए जाने की मांग की थी। इसी के साथ धनंजय को कोर्ट ने जबरजस्त झटका दे दिया है, क्योंकि अब वो लोकसभा चुनाव 2024 लड़ने की स्थिति में नहीं होंगे, जबकि वो चुनाव लड़ने का पहले ही ऐलान कर चुके थे।

ईडी ने क्रिप्टो करेंसी 'ऐप' मामले में चीन मूल के निदेशकों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया

नई दिल्ली। बिटकॉइन जैसी क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर निवेशकों को कथित तौर पर ठगने से जुड़ी एक जांच में 299 इकाइयों के खिलाफ धनशोधन निवारण कानून के तहत आरोप-पत्र दायर किया गया है, जिनमें चीन मूल के 10 व्यक्ति भी शामिल हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि नगालैंड के दीमापुर की एक विशेष अदालत ने मंगलवार को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दायर अभियोजन शिकायत पर संज्ञान लिया। इसमें कहा गया है कि चीन-नियंत्रित 76 इकाइयों सहित कुल 299 इकाइयों को आरोपी बनाया गया है। बयान के अनुसार, चीन-नियंत्रित 76 इकाइयों 10 निदेशक चीनी मूल के हैं और दो अन्य विदेशी नागरिकों द्वारा नियंत्रित हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का धनशोधन का मामला कोहिमा पुलिस की साइबर अपराध इकाई की एक प्राथमिकी से उत्पन्न हुआ है। कोहिमा पुलिस ने बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी में निवेश से भारी रिटर्न का वादा करके निवेशकों को कथित तौर पर धोखा देने के लिए भारतीय दंड संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत विभिन्न लोगों पर मामला दर्ज किया था। पुलिस ने कहा था कि आरोपियों ने निवेशकों को 'धोखा देने' के लिए 'एचपीजेड टोकन' नाम से एक ऐप (मोबाइल-फोन ऐप्लिकेशन) का इस्तेमाल किया था। ईडी ने कहा कि अपराध की आय के शोधन के उद्देश्य से 'डमी' निदेशकों वाली विभिन्न 'शेल इकाइयों' द्वारा बैंक खाते और मर्चेंट आईडी खोले गए थे। उसने दावा किया कि ये धनराशि अवैध ऑनलाइन गेमिंग, सट्टेबाजी और बिटकॉइन के लिए निवेश के वास्ते 'धोखाधड़ी से' प्राप्त की गई थी।

रेलवे नौकरी के बदले जमीन मामला: सीबीआई ने दिल्ली की अदालत के समक्ष पूरक आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रेलवे में कथित नौकरी के बदले जमीन घोटाले में बुधवार को दिल्ली की एक अदालत के समक्ष पूरक आरोप पत्र दाखिल किया। यह मामला राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के कई सदस्यों से जुड़ा है। अंतिम रिपोर्ट तीन व्यक्तियों के खिलाफ विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष दायर की गई। आरोपियों में दो उम्मीदवार - अशोक कुमार और बबीता के अलावा भोला यादव भी शामिल है। भोला यादव लालू प्रसाद के निजी सचिव थे। न्यायाधीश 14 मार्च को इस बात पर विचार करेंगे कि आरोप पत्र पर संज्ञान लिया जाए या नहीं। अदालत ने 28 फरवरी को मामले में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनकी बेटियों मीसा भारती और हेमा यादव को जमानत दे दी थी। अधिकारियों के अनुसार, यह मामला 2004 से 2009 तक रेल मंत्री के रूप में लालू प्रसाद के कार्यकाल के दौरान मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित रेलवे के पश्चिम मध्य जोन में ग्रुप-डी नियुक्तियों से संबंधित है, जिसके बदले में भर्ती हुए व्यक्तियों द्वारा जमीन राजद प्रमुख लालू प्रसाद के परिवार या सहयोगियों को कथित तौर पर उपहार में दी गई या उनके नाम हस्तांतरित की गई।

कोविड टीके की 200 खुराक लेने वाले व्यक्ति की प्रतिरोधक प्रणाली पर कोई असर नहीं : लांसेंट अध्ययन

नई दिल्ली। अनुसंधानकर्ताओं ने जर्मनी के एक व्यक्ति की जांच की जिसने कोविड-19 टीके की 217 खुराक लेने का दावा किया था। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि उसकी प्रतिरोधक प्रणाली पूरी तरह से सक्रिय है। अब तक, यह स्पष्ट नहीं है कि इस तरह के अति टीकाकरण का प्रतिरक्षा प्रणाली पर क्या प्रभाव पड़ता है। कुछ वैज्ञानिकों की राय थी कि एंटीजन की आदत पड़ने के बाद प्रतिरक्षा कोशिकाएं कम प्रभावी हो जाएंगी। हालांकि, द लांसेट इंफेक्शियस डिजीज नामक पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली पूरी तरह सक्रिय है।

मोदी ने हुगली के नीचे सुरंग में की मेट्रो की सवारी, 105 साल पुराना सपना हुआ साकार

जल्द पानी के भीतर कर सकेंगे ट्रेन का सफर, पीएम मोदी ने किया शुभारंभ

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता मेट्रो के पूर्व-पश्चिम गलियारे के हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड खंड का आज उद्घाटन किया गया है, यात्री सेवाएं बाद की तारीख में शुरू होंगी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी कोलकाता यात्रा के दौरान शहरी गतिशीलता में आसानी सुनिश्चित करने के रास्ते बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए अन्य ट्रेन सेवाओं को भी हरी झंडी दिखाई। इनमें शामिल हैं- कवि सुभाष-हेमंत मुखोपाध्याय और तारातला-माजेरहाट मेट्रो खंड। इनके अलावा, पीएम मोदी ने रूबी हॉल क्लिनिक से रामवाड़ी खंड तक पुणे मेट्रो को भी राष्ट्र को समर्पित किया। इसमें एसएन जंक्शन मेट्रो स्टेशन से त्रिपुनिथुरा मेट्रो स्टेशन तक कोच्चि मेट्रो रेल चरण ढ्ढ विस्तार परियोजना (चरण आईबी), ताज ईस्ट गेट से मनकामेश्वर तक आगरा मेट्रो का विस्तार, और दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर का दुहाई-मोदीनगर (उत्तर) खंड शामिल है। दोपहर बाद, पीएम मोदी के पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बारासात में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने की उम्मीद है, वहीं संदेशखाली भी स्थित है।

बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 मार्च को 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की अपनी 10 दिवसीय यात्रा के हिस्से के रूप में कोलकाता में 15,400 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। पांच दिनों के भीतर पश्चिम बंगाल का यह उनका दूसरा दौरा है। पीएम मोदी ने कोलकाता मेट्रो के ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड खंड का उद्घाटन किया, जो पानी के नीचे मेट्रो सेवाओं में भारत के पहले उद्यम का संकेत है। विज्ञप्ति के अनुसार, ईस्ट-वेस्ट मेट्रो का 4.8 किलोमीटर लंबा हिस्सा 4,965 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है और यह हावड़ा में भारत का सबसे गहरा मेट्रो स्टेशन होगा, जो जमीनी स्तर से 30 मीटर नीचे है। यह गलियारा आईटी हब साल्ट लेक सेक्टर 5 जैसे प्रमुख क्षेत्रों को जोड़ने में मदद करेगा।

संदेशखालि का ज्वार पूरे बंगाल में फूटेगा, तृणमूल कांग्रेस का सफाया कर देगा: मोदी

बारासात (पश्चिम बंगाल) (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि 'संदेशखालि का ज्वार' पूरे पश्चिम बंगाल में फूटेगा, जहां 'नारी शक्ति' लोकसभा चुनावों में राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी को हराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उत्तर 24 परगना जिले के मुख्यालय बारासात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से आयोजित 'नारी शक्ति वंदन अभिनंदन' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि संदेशखालि में नारी शक्ति पर 'अत्याचार का घोर पाप' हुआ है और इससे हर किसी का सिर शर्म से झुक गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नीत सरकार राज्य की महिलाओं के गुनाहगारों को बचाने के लिए 'पूरी शक्ति' लगा रही है जबकि उसे उच्च न्यायालय से लेकर उच्चतम न्यायालय तक में झटका लगा है। उन्होंने कहा, 'इस व्यवहार से (राज्य सरकार के) बंगाल की महिलाएंज देश की महिलाएं आक्रोश में हैं। नारी शक्ति के आक्रोश का यह ज्वार संदेशखालि तक ही सीमित नहीं रहने वाला है, बल्कि यह पूरे बंगाल तक जाएगा और पूरे राज्य में टीएमसी को खत्म कर देगा।' संदेशखालि में तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता शाहजहां शेख और उनके साथियों पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के आरोप हैं। मोदी ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर राज्य में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय तुष्टीकरण की राजनीति को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया, 'तुष्टीकरण और तोलाबाजों के दबाव में काम करने वाली टीएमसी सरकार कभी भी बहन-बेटियों को सुरक्षा नहीं दे सकती है। वहीं दूसरी तरफ केंद्र की सरकार है जिसने बलात्कार जैसे संगीन अपराध के लिए फांसी की सजा तक की व्यवस्था की है।' पश्चिम बंगाल को नारी शक्ति के लिए बहुत बड़ा प्रेरणा केंद्र करार देते हुए मोदी ने कहा कि यहां की महिलाओं ने देश को दिशा दी है और मां शारदा, भगिनी निवेदिता, मातंगिनी हाजरा और कल्पना दत्ता जैसी अनगिनत शक्ति स्वरूपा दी हैं। उन्होंने कहा, 'लेकिन इसी धरती पर टीएमसी के राज में नारी शक्ति पर अत्याचार का घोर पाप हुआ है। संदेशखालि में जो हुआ उससे किसी का भी सिर शर्म से झुक जाएगा। लेकिन यहां की सरकार को आपके दुख से कोई फर्क नहीं पड़ता।' मोदी ने कहा, 'टीएमसी सरकार बंगाल की महिलाओं के गुनाहगार को बचाने में पूरी शक्ति लगा रही है। पहले उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय से भी राज्य सरकार को झटका लगा।' प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य की गरीब, दलित, वंचित और आदिवासी परिवार की बहन-बेटियों के साथ टीएमसी के नेता जगह-जगह अत्याचार कर रहे हैं लेकिन राज्य सरकार को अपने अत्याचारी नेता पर भरोसा है, बंगाल की बहन-बेटियों पर भरोसा नहीं है।

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान बोले राहुल गांधी

-हमारी सरकार बनने पर पास करेंगे भूमि अधिग्रहण बिल - सरकार जबरदस्ती फसलों पर चला रही बुल्डोजर

उज्जैन/धार (एजेंसी)। मप्र में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के अंतिम दिन बुधवार को कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने भाजपा और प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को इंगोरिया से अपना रोड शो प्रारंभ करने के पहले कार्यकर्ताओं और कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की। इस दौरान उनसे बुधनी-इंदौर रेलवे लाइन के लिए अपनी जमीन अधिग्रहित करवा रहे किसान भी मिले। मुआवजे संबंधी समस्या बताई। इस पर राहुल ने मौजूद कार्यकर्ताओं से कहा कि किसानों पर होने वाले अत्याचार के खिलाफ न्याय योद्धा बनें। हमारी सरकार बनी तो भूमि अधिग्रहण बिल पास करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार जबरदस्ती फसलों पर बुलडोजर चलवा रही है।

आप वनवासी नहीं हिंदुस्तान के असली मालिक हैं- राहुल गांधी ने धार जिले के बदनावर तहसील में उद्योगपति, युवा बेरोजगारी और जाति जनगणना के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार और मोदी पर निशाना साधा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा की विचारधारा गरीब और दलितों को अपमान करने की हैं। भाजपा ने आदिवासियों को वनवासी कहना शुरू कर दिया। जो व्यक्ति जमीन का सबसे पहला मालिक था। वे आपको आदिवासी नहीं कहना चाहते हैं। यदि वे आपको आदिवासी कहेंगे तो आपको जल, जंगल और जमीन का हक देना पड़ेगा। वनवासी का मतलब वो लोग जो जंगल में रहते हैं। आदिवासी, वनवासी नहीं है जबकि हिंदुस्तान के ओरिजनल मालिक हो। हमने ट्राइबल बिल, जमीन हक, पैसा कानून और जंगल में हक दिया। क्योंकि हम आपको आदिवासी मानते हैं। भाजपा का कहना है कि आप वनवासी है। हम आपको ना जल, जंगल और जमीन देंगे। मध्य प्रदेश में 24 प्रतिशत हैं और देश में आठ प्रतिशत हैं, लेकिन हिंदुस्तान की सबसे बड़ी कंपनियों के मालिकों की लिस्ट निकालें। 200 मालिकों में से आपको एक भी आदिवासी मालिक नहीं मिलेंगे। यदि हमारी सरकार बनती है तो जाति जनगणना और किसानों की फसल पर एमएसपी लागू करेंगे। इसके लिए कानून भी बनाएगे।

मुर्मु ने राष्ट्रपति निलयम में आगंतुक सुविधा केन्द्र का उद्घाटन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को वर्चुअल माध्यम से हैदराबाद स्थित राष्ट्रपति निलयम में आगंतुक सुविधा केंद्र का उद्घाटन किया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्रपति निलयम में ऐतिहासिक लकड़ी के झंडे की 120 फीट की प्रतिकृति, जय हिंद बावड़ी, भूलभुलैया उद्यान, बाल उद्यान पार्क और रॉक गार्डन में दिव्य शिव और उनके नंदी बैल की मूर्तियां सहित विभिन्न ऐतिहासिक आकर्षण आगंतुकों को देश की सांस्कृतिक समृद्धि को पूर्ण रूप से जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं। यह आगंतुक सुविधा केंद्र देश की समृद्ध विरासत से लोगों को जोड़ने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति निलयम में आगंतुक सुविधा केंद्र सभी आगंतुकों के लिए वन-स्टॉप सुविधा के रूप में यहां आने वालों को विशिष्ट अनुभव उपलब्ध कराएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि इन को विकसित करने का उद्देश्य युवा और उत्साही समुदाय को आगे लाना है जो राष्ट्र की समृद्ध विरासत को बढ़ाएंगे। उन्होंने सभी युवाओं से राष्ट्र के इतिहास को जानने और समझने के सुअवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने सभी से समृद्ध विरासत का संरक्षण और देश की एकता तथा विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का भी आग्रह किया। इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल डॉ. तमिलिसाई सौंदर्यराजन और तेलंगाना सरकार के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राष्ट्रपति निलयम राष्ट्रपति के दक्षिण भारत प्रवास की अवधि को छोड़कर पूरे वर्ष आम जनता के लिए खुला रहता है। आगंतुक राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट के माध्यम से अपना स्लॉट ऑनलाइन बुक कर सकते हैं।

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक बृहस्पतिवार को, जल्द होगी उम्मीदवारों की घोषणा

नई दिल्ली। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की बृहस्पतिवार को बैठक होगी जिसमें लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लगाई जाएगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सीईसी की बैठक सात मार्च को शाम छह बजे होगी। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नाम पर विचार-विमर्श करने और निर्णय लेने वाली कांग्रेस पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की पहली बैठक 7 मार्च को शाम 6 बजे होगी।' सीईसी की बैठक में विभिन्न स्कीनिंग कमेटी द्वारा भेजे नामों में से उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई जाती है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और कुछ अन्य राज्यों के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हो चुकी हैं। सूत्रों का कहना है कि सीईसी की बैठक में करीब 100 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर विचार होगा और प्रत्याशियों की पहली सूची कुछ दिनों के भीतर जारी हो सकती है। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने मंगलवार को कहा था कि सात मार्च को सीईसी की बैठक के बाद लोकसभा चुनाव के लिए बड़ी संख्या में उम्मीदवारों की घोषणा होने की उम्मीद है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी के अलावा समिति में शामिल अन्य नेता बैठक में शिरकत करेंगे। कांग्रेस ने अभी तक आम चुनाव के लिए किसी उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हाल ही में लोकसभा चुनाव के लिए 195 उम्मीदवारों की सूची जारी की है।

पीएम मोदी पर टिप्पणी को लेकर चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को दी हिदायत, कहा- सोच-समझकर बयान दें

नई दिल्ली। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बुधवार को राहुल गांधी को एक सलाह जारी की और कांग्रेस नेता को प्रधानमंत्री के खिलाफ टिप्पणी करते समय सावधान और सतर्क रहने को कहा। एएनआई ने बुधवार को बताया कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को एक एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश और उनके जवाब सहित प्रधानमंत्री के खिलाफ कुछ टिप्पणियों से संबंधित मामले में सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद, भारत के चुनाव आयोग ने उन्हें भविष्य में अधिक सावधान और सतर्क रहने की सलाह दी है। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से उनके 'पनौती' और 'जेबकतरे' तंज के मद्देनजर अपने सार्वजनिक भाषणों में अधिक सावधान और सतर्क रहने को कहा है। चुनाव आयोग पिछले साल दिसंबर के दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर काम कर रहा था। अदालत ने चुनाव आयोग से 22 नवंबर के उस भाषण के लिए राहुल गांधी के खिलाफ उचित कार्रवाई करने को कहा था जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 'जेबकतरा' कहा था। अदालत ने कहा कि बयान 'अच्छे स्वाद में नहीं' था और ईसीआई से आठ सप्ताह के भीतर कानून के अनुसार कार्य करने को कहा। पोल पैनल ने राहुल गांधी को चुनाव प्रचार के दौरान स्टार प्रचारकों और राजनीतिक नेताओं के लिए अपनी हालिया सलाह का पालन करने के लिए भी कहा। 1 मार्च की अपनी सलाह में, चुनाव आयोग ने चेतावनी दी कि आदर्श आचार संहिता के किसी भी उल्लंघन के लिए पार्टियों, उम्मीदवारों और स्टार प्रचारकों को कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। एडवाइजरी में यह भी चेतावनी दी गई है कि जिन पार्टी प्रचारकों और उम्मीदवारों को पहले नोटिस मिला है, उन्हें आदर्श आचार संहिता का बार-बार उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

जयशंकर ने की 10वीं भारत-दक्षिण कोरिया संयुक्त आयोग की सह-अध्यक्षता

नई दिल्ली/सोल (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चो ताए-यूल के साथ 10वीं भारत-दक्षिण कोरिया संयुक्त आयोग की बैठक की सह-अध्यक्षता की।

डॉ जयशंकर सोल पहुंचने के बाद बुधवार को दक्षिण कोरिया और भारत के बीच 10वीं संयुक्त आयोग की बैठक में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत दक्षिण कोरिया के साथ महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, सेमीकंडक्टर और हरित हाइड्रोजन जैसे नए क्षेत्रों में अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करना चाहता है ताकि द्विपक्षीय संबंधों को और समकालीन बनाया जा सके।

विदेश मंत्री ने कहा, 'दो देशों ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने विचारों में बढ़ती समानता देखी।' उन्होंने कहा, 'भारत-प्रशांत क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना एक अच्छा मसला है और इस क्षेत्र में स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि बनाएं रखना दोनों देशों का कर्तव्य है।'

उन्होंने अपने समकक्ष यूल के साथ 10वीं भारत-दक्षिण कोरिया संयुक्त आयोग बैठक (जेसीएम) की सह अध्यक्षता करने के दौरान यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 2015 में दक्षिण कोरिया यात्रा के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया।

विदेश मंत्री ने कहा, 'अब हम दोनों देशों के संबंध को और अधिक महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, सेमीकंडक्टर, हरित हाइड्रोजन, मानव संसाधन गतिशीलता, परमाणु सहयोग, आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन आदि जैसे नए क्षेत्रों में विस्तार करने में बहुत रुचि लेंगे।'

डॉ जयशंकर ने इससे पहले सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कहा, 'बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढाने, रक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, व्यापार, आपसी आदान-प्रदान और सांस्कृतिक सहयोग के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा हुई। साथ ही त्रिपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने की बात भी कही गई।'

उन्होंने कहा, 'भारत-प्रशांत क्षेत्र के विकास, क्षेत्र में चुनौतियों के प्रति आपसी सहमति और क्षेत्रीय हित और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मैं जानता हूं कि हमारे बीच जबरदस्त सद्भावना है। हमारी चुनौती इसे व्यावहारिक परिणामों में तब्दील करना है।'

उल्लेखनीय है कि डॉ जयशंकर दक्षिण कोरिया और जापान की अपनी चार दिवसीय यात्रा के पहले चरण में आज सोल में हैं। विदेश मंत्री गुरुवार को जापान के विदेश मंत्री योको कामिकावा के साथ 16वें भारत-जापान विदेश मंत्री की रणनीतिक वार्ता में भाग लेंगे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'दोनों मंत्रियों के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर चर्चा करने और स्वतंत्र, खुले, समावेशी, शांतिपूर्ण और समृद्ध भारत-प्रशांत के लिए सहयोग पर विचारों का आदान-प्रदान करने की उम्मीद है।'

बयान में कहा गया है, 'भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी पिछले दशक में रक्षा और डिजिटल प्रौद्योगिकियों, सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ ऊर्जा, हाई-स्पीड रेल, औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता और कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में और मजबूती आयी है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

माननीयों को कितना विशेषाधिकार

सोमवार को देश के उच्चतम न्यायालय की सात जजों की पीठ ने अपने सर्वसम्मत फैसले से साल 1998 के नरसिम्हा राव बनाम सीबीआई मामले में दिए गए निर्णय को पलट दिया। पांच जजों की पीठ ने वह फैसला 3-2 के बहुमत से दिया था। जब वह फैसला आया था, तब उसने देश के प्रबुद्ध वर्ग में एक गहरी निराशा भर दी थी। उस फैसले के अनुसार, विधायिका का कोई भी सदस्य अपना वोट बेच सकता था। इसे उसका विशेषाधिकार माना गया, जिसके लिए उस पर कोई मुकदमा भी नहीं चलाया जा सकता था। हां, उस पर मुकदमा तभी चल सकता था, जब वह पैसे लेकर पैसे देने वाले की इच्छा के अनुसार वोट न करे। जाहिर है, यह एक विचित्र तर्क था, जहां रिश्वत लेना तो माफ था, लेकिन रिश्वत लेकर बेईमानी करने को अक्षम्य अपराध माना गया था। इस फैसले के बाद देश के संसदीय लोकतंत्र में रिश्वत का खेल बहुत बढ़ गया। आज स्थिति यह है कि किसी भी राज्य में चुनाव के बाद राजनीतिक पार्टियां अपने चुने गए सदस्यों को भेड़-बकरी की तरह किसी रिसॉर्ट या होटल में बंद कर देती हैं, ताकि कोई उनकी बोली न लगा पाए। पार्टियों को यह डर सताता है कि उनके सांसद या विधायक खरीद लिए जाएंगे, और बिकने के बाद वे अपना वोट दूसरी पार्टी के हक में डाल देंगे, और आप उनका कुछ भी नहीं बिगाड़ सकते। यह अक्सर देखा गया कि हर चुनाव के बाद या जब कभी सरकार पर कोई संकट आया, तो विधायकों को किसी दूसरे प्रदेश के होटल या रिसॉर्ट में ले जाकर बंद कर दिया गया, यहां तक कि उनके मोबाइल भी रख लिए गए। ऐसे में, सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला हवा के ताजा झोंके की तरह है। अब तक संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) के तहत सांसदों और विधायकों को सदन के अंदर कुछ कहने और करने का विशेषाधिकार मिला हुआ था। नतीजतन, कई बार माननीयों द्वारा भाषण के दौरान ऐसे-ऐसे आरोप लगाए जाते रहे, जो यदि सदन के बाहर बोले जाते, तो भाषण देने वाले सांसद या विधायक पर आपराधिक अवमानना या कानून के तहत अन्य अपराधों के लिए मुकदमा हो जाता। अब कम से कम यह साफ हो गया है कि रिश्वत लेकर वोट देना विधानमंडल के सदस्यों के विशेषाधिकार में नहीं आता, न ही रिश्वत लेकर सवाल पूछना या विशेष प्रकार का भाषण देना संसदीय विशेषाधिकार है। इस फैसले से यह आशा की जाती है कि भारतीय लोकतंत्र में अधिक स्वच्छता, शुचिता और जिम्मेदारी से काम होगा, और जनता के प्रतिनिधि देश की जनता को धोखा नहीं दे सकेंगे। यानी, जन-प्रतिनिधि जिस दल से चुनकर आएंगे, उसी पार्टी की इच्छानुसार अपना वोट करेंगे। शीर्ष अदालत ने तो अपना काम कर दिया, अब बारी है संसद की कि वह कानून में जरूरी बदलाव करे और विधायिका सदस्यों को मिले विशेषाधिकारों को ही खत्म कर दे। सांसदों-विधायकों को यह विशेषाधिकार नहीं होना चाहिए कि वे सदन में झूठ बोल सकें, गलत तथ्य पेश करके किसी की छवि बिगाड़ सकें, अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर सकें अथवा किसी प्रकार की दंड संहिता का उल्लंघन कर सकें। ये विशेषाधिकार भारतीय संविधान में विदेशी नकल से लाए गए हैं। ब्रिटेन के 'हाउस ऑफ कॉमन्स' (संसद का निचला सदन) के विशेषाधिकारों की तर्ज पर ये भारतीय संविधान में शामिल किए गए। इनमें भारतीय संस्कृति की मूल भावना का उल्लंघन है।

आज का राशिफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रुपये पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से तनाव मिलेगा।

मिथुन जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

कर्क आर्थिक योजना फलीभूत होगी। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय से मन अशान्त रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। व्यवसायिक व पारिवारिक योजना सफल रहेगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

कन्या संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ भी रहेगी।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यावसायिक योजना सफल होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव मिल सकता है। विरोधियों का पराभव होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। खान-पान में संयम रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सुप्रीम फैसलों ने बढ़ाया देश का मान

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में कई ऐसे फैसले दिए हैं जिससे देश का मान तो बढ़ा ही है। उसके साथ ही वो फैसले न्यायपालिका के क्षेत्र में भी मील के पत्थर साबित होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसलों से जहां हर देशवासी को गौरवान्वित किया हैं। वहीं देशवासियों का न्यायपालिका के प्रति विश्वास को भी सुदृढ़ किया है। सुप्रीम कोर्ट के इन फैसलों की पूरे देश में सराहना हो रही है। देश के आम आदमी को भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से यह महसूस होने लगा कि हमारे देश में न्याय कभी कमजोर नहीं हो सकता है। हालांकि पिछले कई वर्षों से देश में न्यायपालिका को कमजोर करने के आरोप लग रहे थे। जिनको सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने झूठला दिया है।

सोमवार को वोट के बदले नोट के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अब रिश्वत लेकर सदन में वोट दिया या सवाल पूछा तो सांसदों या विधायकों को विशेषाधिकार के तहत मुकदमे से छूट नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की संवैधानिक पीठ ने सोमवार को अपना 25 साल पुराना फैसला पलट दिया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एएस बोपन्ना, एमएम सुंदरेश, पीएस नरसिम्हा, जेबी पारदीवाला, संजय कुमार और मनोज मिश्रा की संवैधानिक पीठ ने कहा कि हम 1998 में दिए गए जस्टिस पीवी नरसिम्हा के उस फैसले से सहमत नहीं हैं। जिसमें सांसदों और विधायकों को सदन में भाषण देने या वोट के लिए रिश्वत लेने पर मुकदमे से छूट दी गई थी। 1998 में 5 जजों की संवैधानिक पीठ ने 3-2 के बहुमत से तय किया था कि ऐसे मामलों में जनप्रतिनिधियों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि अगर कोई घूस लेता है तो केस बन जाता है। यह मायने नहीं रखता है कि उसने बाद में वोट दिया या फिर स्पीच दी। आरोप तभी बन जाता है जिस वक्त कोई सांसद घूस स्वीकार करता है। संविधान के आर्टिकल 105 और 194 सदन के अंदर बहस और विचार-विमर्श का माहौल बनाए रखने के लिए हैं। दोनों अनुच्छेद का मकसद तब बेमानी हो जाता है। जब कोई सदस्य घूस लेकर सदन में वोट देने या खास तरीके से बोलने के लिए प्रेरित होता है।

आर्टिकल 105 या 194 के तहत रिश्वतखोरी को छूट हासिल नहीं है। रिश्वत लेने वाला आपराधिक काम में शामिल होता है। ऐसा करना सदन में वोट देने या भाषण देने के लिए जरूरत की श्रेणी में नहीं आता है। सांसदों का भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को नष्ट कर देती है। हमारा मानना है कि संसदीय विशेषाधिकारों के तहत रिश्वतखोरी को संरक्षण हासिल नहीं है। यह मुद्दा दोबारा तब उठा जब झामुमो विधायक सीता सोरेन ने अपने खिलाफ जारी आपराधिक कार्रवाई को रद्द करने की याचिक दाखिल की। उन पर आरोप था कि उन्होंने 2012 के झारखंड के राज्यसभा चुनाव में एक खास प्रत्याशी को वोट देने के लिए रिश्वत ली थी। सीता सोरेन ने अपने बचाव में तर्क दिया था कि उन्हें सदन में कुछ भी कहने या वोट देने के लिए संविधान के अनुच्छेद 194 (2) के तहत छूट हासिल है। इसी तरह कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला देते हुए राजनीतिक दलों के लिए चंदा जुटाने की पुरानी इलेक्टोरल बांड स्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने पर तत्काल रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल बांड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में गठित पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया था। अपने फैसले में चीफ जस्टिस ने कहा है कि पॉलीटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी वह प्रक्रिया है जिससे मतदाता को वोट डालने के लिए सही चॉइस मिलती है। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है। जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है।

याचिकाकर्ताओं ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि कि इससे राजनीतिक दलों को बिना जांच और टैक्स भरे फंडिंग मिल रही है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017 के बजट में चुनावी इलेक्टोरल बांड स्कीम को पेश किया था। जिसे 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने नोटिफाई किया था। दिसंबर 2019 में याचिकाकर्ताओं ने इस योजना पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया था कि किस तरह चुनावी बांड योजना पर चुनाव आयोग, रिजर्व बैंक की चिताओं को केंद्र सरकार ने दरकिनार कर दिया था। चुनाव आयोग का मानना था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29 (बी) का उल्लंघन कर चंदा लिया है या नहीं। विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक का मानना था कि इलेक्टोरल बांड मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देगा। इसके जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करना संभव होगा। चुनाव आयोग व रिजर्व बैंक की आपत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपने आप में ऐतिहासिक माना जा सकता है। कुछ दिनो पूर्व चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने बड़ा फैसला करते हुए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को मेयर घोषित कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह की तरफ से घोषित बीजेपी कैंडिडेट मनोज कुमार सोनकर को मेयर के तौर पर विजेता घोषित करने का फैसला अवैध है और उसे खारिज किया जाता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पूरे चुनावी प्रक्रिया को खारिज करने से लोकतांत्रिक सिद्धांत के लिए विनाशकारी होगा क्योंकि यह सब पीठासीन अधिकारी के मिसकंडक्ट के कारण हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीठासीन अधिकारी मसीह ने जानबूझकर आठ बैलेट पेपर को विकृत किया है। इसलिये उनके खिलाफ मुकदमा चलाए जाने के लिए नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अनुच्छेद 142 के तहत विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए आदेश पारित करते हुए कहा था कि पूर्ण न्याय के लिए हम निर्देश जारी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस और चीफ जस्टिस ने बैलेट पेपर और वीडियो का अवलोकन किया और खुद ही परीक्षण किया और पाया है कि वह विकृत नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि जो रिजल्ट शीट है उसमें 12 वोट याचिकाकर्ता कुलदीप को मिले हैं। जबकि 16 वोट बीजेपी कैंडिडेट मनोज सोनकर को मिले थे और 8 बैलेट पेपर को पीठासीन अधिकारी ने अमान्य करार दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इन आठ बैलेट को मान्य करार दिया और कहा कि इनमें वोट कुलदीप कुमार के पक्ष में पड़े थे। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस तरह से कुलदीप कुमार को कुल 20 वोट मिले हैं और उन्हें मेयर पद पर विजेता घोषित किया जाता है। भारत में इस तरह के फैसलों से लोकतांत्रिक प्रक्रिया मजबूत होगी। वहीं गलत कार्य करने वालों के मन में भी भय व्याप्त होगा। उन्हे लगेगा कि उनके गलत कार्यो पर कभी भी कार्यवाही की जाकर उन्हे कटघरे में खड़ा किया जा सकता हैं। इसलिये गलत काम करने वाला सौ बार अच्छे बुरे की सोच कर ही अपना कदम उठायेगा।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

फेसबुक को पक्षाघात पर भक्तों का अरण्यरोदन....

लेखक राकेश अचल

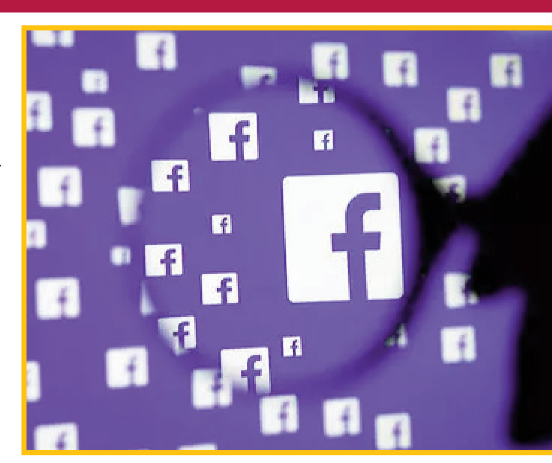

फेसबुक को बीती रात अल्प पक्षाघात हुआ तो पूरी दुनिया में फेसबुक के भक्त विचलित हो गए। लगा कि जैसे किसी ने उनकी जान ही छीन ली हो। मै भी इस भक्तमंडली का सदस्य था लेकिन फेसबुक के शांत होने के बाद मैंने भी चैन की सांस ली। मैंने बहुत कम अवसरों पर देखा है, जब लोग किसी चीज के लिए इतने परेशान और फिक्रमंद होते हैं। फेसबुक तो कोई चीज भी नहीं है। एक सेवा है किन्तु अपनी उपयोगिता की वजह से आज दुनिया के एक बड़े हिस्से के लिए प्राणवायु बन गयी है। दुनिया में जिंदगी के लिए जैसे भोजन -पानी और आक्सीजन आवश्यक है वैसे ही अब सोशल मीडिया एक आवश्यक अवयव बन गया है । अकेले फेसबुक दुनिया के 1560 मिलियन लोग फेसबुक की सेवाओं से जुड़े हैं ,और ऐसे जुड़े हैं कि कुछ समय के लिए ही फेसबुक के बंद होने से सदमे की स्थिति में पहुँच गए। फेसबुक के हितग्राहियों की दशा ऐसी हो गयी जैसे किसी सांप के मुंह से उसकी मणि छीन ली गयी हो ,या किसी मछली को पानी से निकाल कर गर्म रेत पर फेंक दिया हो। जाहिर है कि फेसबुक ने बीस साल में ही जनमानस पर अपना इतना प्रभुत्व बना लिया है की लोग उसके आदी हो गए हैं और एक पल भी फेसबुकाये बिना नहीं रह सकते। फेसबुक अनंग है। फेसबुक को शैव सम्प्रदाय का कोई हैकर ही अपनी तीसरी आँख से भस्म कर सकता है लेकिन हमेशा के लिए नहीं। फेसबुक की मारक क्षमता से समाज ही नहीं बल्कि सियासत भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है ,बावजूद इसके फेसबुक अपनी जगह है ,उसे मिटाने की, हैक करने की तमाम कोशिशें बार-बार नाकाम हो जाती है। 5 मार्च 2024 को भी ऐसी ही कोशिशें नाकाम हुईं और लोगों ने चैन की सांस ली। सवाल ये है कि गुण-दोषों से भरी फेसबुक आम आदमी की जिंदगी का अभिन्न हिस्सा बन कैसे गयी ? इसके लिए हम खुद जिम्मेदार है। हमारी सियासत जिम्मेदार है। जिन्होंने लगातार ऐसी परिस्थितियां पैदा की जिसकी वजह से इंसान आपस में कटता चला गया। संवाद की सूरत लगातार कम होती चली गयी। आज फेसबुक है तो तमाम दूसरी बुक्स बेकार है। फेसबुक आज का सबसे बड़ा और सबसे ज्यादा लोकप्रिय महाग्रंथ बन चुका है। फेसबुक किसी से भेदभाव नहीं करता। फेसबुक की अपनी दुनिया है । अपने कानून हैं। अपने तौर-तरीके हैं। फेसबुक की अपनी कोई भाषा नहीं है। फेसबुक अपने उपयोगकर्ताओं को अपनी पसंद की भाषा चुनने का अवसर देती है। फेसबुक का अपना लोकतंत्र है,अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है,हालाँकि इसके अपने मापदंड हैं,सीमाएं है । फेसबुक भी अभिव्यक्ति की आजादी को एक सीमा के बाद पाबंद करती है किन्तु उस तरीके से नहीं जिस तरीके से आज दुनिया में तमाम धार्मिक और लोकतांत्रिक सरकारें कर रही हैं। फेसबुक दुनिया के तमाम सत्ता प्रतिष्ठानों के लिए खतरा है। इसीलिए जब तब दुनिया के तमाम देशों की सरकारें फेसबुक को प्रतिबंधित करने के लिए इंटरनेट को ही बंद करा देतीहैं। हमारे हिन्दुस्तान में तो ये सब आये दिन होता रहता है। कहते हैं कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी होती है ,सो इसी तरह अमेरिका के एक कालेज छात्र मार्क जुकरबर्ग की मित्रों से जुड़े रहने की जरूरत ने 2004 में फेसबुक को जन्म दिया था जो आज दुनिया के एक बाद हिस्से की जरूरत बन चुकी है। दुनिया के के तमाम लोग जुकरबर्ग के शुक्रगुजार हैं फेसबुक बनाने के लिए। फेसबुक दुनिया का ऐसा मेला है जहाँ दशकों से गुम हुए लोग आपस में मिल जाते हैं। ये काम आसान काम नहीं है। फेसबुक ने मनुष्य के एकांत में दखल किया है । मनुष्य को अवसाद से बचाया भी है और सामाजिक सुरक्षा भी दी है ,साथ ही अश्लीलता ,घृणा भी परोसी है। फेसबुक गोपनीयता के लिए खतरा भी है और समाज को पारदर्शिता की और भी ले जाती है। यानि फेसबुक एक दोधारी तलवार है। ये ऐसा उस्तरा भी है जो यदि बंदर के हाथ लग जाये तो हजामत बनने के बजाय गर्दन काटने का भी काम कर सकती है। फेसबुक के अनेक रूप है। फेसबुक दवा भी है और जहर भी । फेसबुक मनोरंजन भी देती है और विकृति भी । फेसबुक के पास दोस्ती और दुश्मनी के लिए पर्याप्त समय है । फेसबुक राजनीतिक हस्तक्षेप भी करती है और निजता पर भी डाका डालती है। फेसबुक नशा भी है और नशामुक्ति भी। फेसबुक के समर्थक भी हैं और विरोधी भी । फेसबुक अबाल-वृद्ध सबकी मित्र है। सबकी अभिभावक भी है । सबकी हमराह,हम जुल्फ,हमदर्द, हमजोली यानि सब कुछ है। फेसबुक किसी के लिए गीता है तो किसी के लिए कुरआन । किसी के लिए बाइबल है तो किसी के लिए कुछ और। इतना रूतबा और व्यापकता शायद किसी दूसरे माध्यम के पास नहीं हैं। फेसबुक से आप मनोरंजन,ज्ञानार्जन ,व्यवसाय ,महिमा मण्डन और मन मर्दन जो चाहे सो कर सकते है। ये आपके ऊपर है कि आप फेसबुक का कैसे इस्तेमाल करना चाहते है। दुनिया में जैसे विभिन्न प्रकार के नशा से मुक्ति के लिए अभियान चलाये जाते हैं उसी तरह फेसबुक से मुक्ति के लिए भी अभियान चलाये जाते हैं। कुछ लोग 31 मई को फेसबुक छोडो दिवस के रूप में भी मानते हैं। कुल मिलाकर फेसबुक आज मनुष्य जीवन की प्राणवायु है। इस पर जब-जब खतरा मंडराता है दुनिया बेचैन हो जाती है । इसलिए जरूरी है कि आप फेसबुक से मुहब्बत करते हुए भी इसका कोई न कोई विकल्प खोजकर रखिये अन्यथा खुदा न खस्ता किसी दिन फेसबुक समाप्त हुई उस दिन आपकी दुनिया भी आपको समाप्त होती सी नजर आएगी। वैसे मै फेसबुक को कलियुग का असली अवतार मानता हूँ । प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को मैंने कभी अवतार नहीं माना जबकि वे एक महान से महान नेता हैं। आइये हम सब फेसबुक की सलामती के लिए समवेत होकर ईश्वर से ,हैकरों से प्रार्थना करने की वे इस पाकीजा उपक्रम से छेड़छाड़ न करें और ईश्वर इसे लम्बी उम्र दे ।

जीना इसी का नाम है

दल बदल कानून और पार्टी का विहिप बेअसर

लेखक - सनत जैन)

इन दिनों दल बदल कानून 1986 चर्चाओं में बना हुआ है। 1985 के पहले देश मैं दल बदल करके बहुत सारी सरकारों को गिराने और बनाने का काम हुआ था। 1967 से इसकी शुरुआत हुई थी। जब कई राज्यों में संविद सरकारों का गठन हुआ था। कई राज्यों में निर्वाचित प्रतिनिधियों ने दल बदल करके सरकारों को गिराया और बनाया था। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी राष्ट्रपति पद के लिए वीवी गिरी को खड़ा करना चाहती थी। उसको लेकर उनके मतभेद कांग्रेस संगठन के वरिष्ठ नेताओं से हुए। कांग्रेस ने इंदिरा गांधी को पार्टी से निकाल दिया। संसद में उन्हें सांसदों का समर्थन प्राप्त था। वह प्रधानमंत्री पद पर बनी रही। 1971 के चुनाव के पहले इंदिरा गांधी ने कांग्रेस (आर) के नाम से नई पार्टी बनाई। लोकसभा की 352 सीटें जीतकर इंदिरा गांधी ने नया इतिहास रच दिया था। लोकसभा चुनाव के बाद उनकी कांग्रेस असली कांग्रेस बन गई। उसके बाद के वर्षों में हरियाणा सहित अन्य राज्यों में दल बदल करके कई राज्य सरकारों को गिराकर नई सरकारें बनी।

दल बदल करके निर्वाचित विधायकों और सांसदों ने अपने निजी हितों के लिए सरकार को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। तब देश मे दल बदल कानून की जरूरत महसूस हुई। 1986 में दल बदल कानून लागू किया गया। दल बदल कानून में राजनीतिक दल को मतदान के पहले विहिप जारी करने का अधिकार दिया गया। कोई भी निर्वाचित प्रतिनिधि यदि अपने राजनीतिक दल के विहिप का उल्लंघन करेगा, तो उसकी सदस्यता समाप्त करने के अधिकार विधानसभा अध्यक्ष और लोकसभा अध्यक्ष को कानून में दिए गए। इसी तरह से निर्वाचित विधायक यदि पार्टी बदलता है, तो उसकी सदस्यता दल बदल कानून के अंतर्गत समाप्त हो जाती है। दल बदल कानून में इस बात का भी प्रावधान किया गया, सदन में किसी भी पार्टी के एक साथ, दो तिहाई निर्वाचित प्रतिनिधि यदि दल बदल करते हैं तो उन पर दल बदल कानून लागू नहीं होगा। पहले यह संख्या एक तिहाई थी। बाद में इसमें संशोधन किया गया। एक तिहाई सदस्य यदि अलग गुट या दल बनाकर किसी दूसरे दल में शामिल हो जाते हैं तो उन पर दल बादल का कानून लागू नहीं होगा। दल बदल कानून लागू होने के बाद राजनीतिक दलों द्वारा मतदान के पूर्व अपनी पार्टी के सदस्यों के लिए विहिप जारी किया जाता है। यदि सदस्य विहिप का पालन नहीं करेंगे, तो उनकी सदस्यता दल बदल कानून के तहत जा सकती है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश में 6 कांग्रेस के सदस्यों की सदस्यता विहिप नहीं मानने के कारण निरस्त की गई है। हिमाचल के विधानसभा अध्यक्ष ने इस मामले में तुरंत निर्णय लेकर 6 विधायकों की सदस्यता समाप्त कर दी। यही मामला बिहार में हुआ। कांग्रेस और राजद के 3-3 विधायकों द्वारा अन्य दल के पक्ष में मतदान करके विहिप का उल्लंघन किया। कांग्रेस ने संबंधित विधायकों के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष अयोग्यता याचिका दायर की। इस पर विधानसभा के अध्यक्ष द्वारा अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया। इस मामले को पेंडिंग में डाल दिया गया। इस तरह के दर्जनों उदाहरण हैं। विहिप का उल्लंघन करने या अन्य पार्टी में चले जाने के बाद भी, विधानसभा के अध्यक्ष इस मामले को कई महीनों और वर्षों तक लंबित बनाए रखे। दल बदलू विधायक विधानसभा की कार्रवाई में भाग लेते रहे। इस स्थिति में दल बदल कानून निष्प्रभावी होकर रह गया। महाराष्ट्र विधानसभा का मामला भी कम रोचक नहीं है। जिस तरह से उद्धव ठाकरे की सरकार को गिराया गया। दल बदल विरोधी कानून के अंतर्गत मामला लंबे समय तक टाला गया। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय में एकनाथ शिंदे की सरकार असंवैधानिक सरकार बता दिया। राज्यपाल की भूमिका को सुप्रीम कोर्ट ने सही नहीं माना। दल बदल कानून का उपयोग सत्ताधारी दल और आसंदी सुविधा के अनुसार करती हैं। जिसके कारण दल बदल विरोधी कानून का उल्लंघन होते हुए भी, कोई कार्यवाही दल-बदलू पर नहीं हो पाती है। इस कारण दल बदल विरोधी कानून और विहिप का उल्लंघन एक तरह से मजाक बनकर रह गया है। दल बदल विरोधी कानून के तहत क्रॉस वोटिंग को रोकना और पार्टी के निर्णय के अनुसार मतदान करने की जो बाध्यता निर्वाचित प्रतिनिधियों की सदन के अंदर थी। उसमें निश्चित रूप से निर्वाचित प्रतिनिधि के स्वतंत्र तरीके से वोट करने का अधिकार समाप्त हो गया था। यह अधिकार इसलिए समाप्त किया गया था, कि सरकारों को स्थिरता मिले। जिस पार्टी की टिकट पर चुनाव जीता गया है। मतदाता ने उसे पार्टी के सिंबल पर वोट दिया है। कानून का किस तरह दुरुपयोग होता है। समरथ को नहीं दोष गोसाई की तर्ज पर आसंदी पर बैठा हुआ व्यक्ति, सत्तारूढ़ दल का होता है। वह अपनी पार्टी के हितों को देखते हुए या तो तुरंत निर्णय लेता है, या उसे लंबे समय तक टालकर दल बदल कानून को ही निष्प्रभावी बना देता है।

2 घंटे में ....जुकरबर्ग को लगा 8,29,03,05,000 रुपए का चूना

मुंबई । मेटा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की सर्विसेज 5 मार्च 2024 की रात 9 बजे के आसपास अचानक ठप पड़ गईं। दुनियाभर में हजारों यूजर्स ने फेसबुक, इंस्टाग्राम के काम ना करने की शिकायतें की। लगभग दो घंटे तक ठप रहने के बाद रात 11 बजे के आसपास मेटा की सभी सर्विसेज ने वापस काम करना शुरू कर दिया लेकिन इन दो घंटों में ग्लोबल आउटेज के चलते मेटा के मार्क जुकरबर्ग को करीब 100 मिलियन डॉलर (8,29,03,05,000 रुपए) का नुकसान हुआ है। मेटा के शेयरों में इसकारण 1.5 फीसदी से अधिक की गिरावट आई। मेटा के प्रवक्ता एंडी स्टोन ने एक्स पर बताया कि मेटा की सर्विसेज किसी तकनीकी खामी के चलते बाधित हुई हैं और बाद में उन्होंने पोस्ट किया कि हमने जल्द से जल्द उन सभी के लिए सर्विसेज वापस चालू कर दी हैं जो आउटेज से प्रभावित थे। इसके साथ ही उन्होंने असुविधा के लिए खेद भी जताया। बता दें कि 2021 में करीब 7 घंटे तक मेटा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सर्वर डाउन हो गया था। हालांकि इस बार आई तकनीकी खामी को मेटा ने दो घंटे में ही दूर कर दिया।

आरबीआई का जेएम फाइनेंशियल पर चला चाबूक, शेयरों में आया भूचाल

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक्शन के बाद जेएम फाइनेंशियल के शेयरों में आज भूचाल आ गया है। सुबह बाजार खुलते ही 19 प्रतिशत से ज्यादा गिर गए। बीएसई पर सुबह 10꞊37 बजे कंपनी का शेयर 16.13 प्रतिशत या 15.40 रुपये की गिरावट के साथ 80.05 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। बता दें कि आरबीआई ने रेगुलेटरी और गवर्नेंस संबंधी खामियों का हवाला देकर जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स पर शेयरों और डिबेंचर के बदले लोन देने से रोक लगा दी है। रिजर्व बैंक का कहना है कि आईपीओ फाइनेंसिंग के साथ-साथ (नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर) सब्सक्रिप्शन के लिए कंपनी द्वारा मंजूर किए गए लोन के संबंध में देखी गई कुछ गंभीर गलतियों के कारण यह कदम उठाना जरूरी हो गया था। आरबीआई ने कहा, रेगुलेटरी दिशानिर्देशों के उल्लंघन के अलावा कंपनी में गवर्नेंस से संबंधित मुद्दों पर गंभीर चिंताएं हैं, जो हमारे आकलन के अनुसार ग्राहकों के हित के लिए हानिकारक हैं। हालांकि, जेएम फाइनेंशियल ग्रुप ने बयान जारी कर अपनी लोन मंजूरी प्रक्रिया में किसी भी खामी से इंकार कर कहा कि उसने लागू नियमों का उल्लंघन नहीं किया है। कंपनी ने कहा, जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई पर आरबीआई की तरफ से जारी आदेश की सावधानी और डिटेल से समीक्षा के बाद हम मानते हैं कि हमारी ऋण मंजूरी प्रक्रिया में कोई महत्वपूर्ण कमी नहीं हुई है।

गोपाल स्नैक्स का आईपीओ आज से खुला, 11 मार्च को होगा बंद

नई दिल्ली। चिप्स, नमकीन और स्नैक्स जैसे सामान बेचने वाली कंपनी गोपाल स्नैक्स का आईपीओ बुधवार 6 मार्च को सब्सक्राइब करने के लिए खुल गया और यह सोमवार 11 मार्च को बंद हो जाएगा। गोपाल स्नैक्स आईपीओ का लॉट साइज 37 इक्विटी शेयरों का है यानी निवेशकों को मिनिमम एक लॉट में 37 शेयर खरीदने होंगे। गोपाल स्नैक्स आईपीओ ने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए पब्लिक इश्यू में 50 प्रतिशत से ज्यादा शेयर रिजर्व नहीं किए हैं। इसके अलावा गैर-संस्थागत संस्थागत निवेशकों के लिए 15रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 35त्न रिजर्व है। कर्मचारी हिस्से को कुल मिलाकर 3.5 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर रिजर्व किए गए हैं। कर्मचारी आरक्षण हिस्से में बोली लगाने वाले एलिजिबल कर्मचारियों को प्रति इक्विटी शेयर 38 रुपये की छूट की पेशकश की जा रही है। राजकोट स्थित कंपनी ने पांच मार्च को एंकर निवेशकों से 193.94 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बता दें कि गोपाल स्नैक्स के आईपीओ का प्राइस बैंड 1 रुपये के फेस वेल्यू के लिए प्रति इक्विटी शेयर के लिए 381 से 401 रुपये के बीच तय किया गया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया किया कि उसने एंकर निवेशकों को मंगलवार यानी 05 मार्च को 401 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 48,36,657 इक्विटी शेयर अलॉट किए।

बढती मांग के बीच कोरोना के बाद बढ़े प्रॉपर्टी के दाम

नई दिल्ली।

उद्योग मंडल फिक्की और एनारॉक के सर्वे में बताया गया कि देश में बड़े और लग्जरी घरों की मांग में उल्लेखनीय तेजी आई है। सर्वे में यह भी कहा गया है कि निवेशक एक बार फिर देश के आवास बाजार का रुख करने लगे हैं। 36 प्रतिशत लोग निवेश के उद्देश्य से घर खरीदना चाहते हैं। कोविड-19 महामारी के समय ऐसा लग रहा था कि प्रॉपर्टी मार्केट में गिरावट नजर आएगी लेकिन कोरोना काल के घर व जमीनों की कीमत में बड़ा इजाफा हुआ। ऐसा क्यों हुआ यह सवाल हर आदमी के मन में है। उद्योग मंडल फिक्की और एनारॉक के एक सर्वे में इस बारे में जानकारी देने की कोशिश की गई। फिक्की-एनारॉक उपभोक्ता धारणा सर्वे (दूसरी छमाही 2023) जारी किया गया। इस सर्वे के मुताबिक, संभावित घर खरीदार बड़ा घर खरीदने पर विचार कर रहे हैं और नई परियोजनाओं में भी फ्लैट खरीदने से भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। फिक्की की रियल एस्टेट समिति के चेयरमैन राज मेंडा ने कहा, ''खर्च योग्य आमदनी बढ़ने, कोविड-19 महामारी के बाद घर से काम करने की प्रवृत्ति की वजह से आज खरीदार बड़ा घर खरीदना चाहते हैं। इससे देश में बड़े और लक्जरी घरों की मांग में उल्लेखनीय तेजी आई है। इसके अलावा अब लोग किराये के घर में रहने के बजाय घर के मालिक बनना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निवेशकों के रुख में आया यह बदलाव बताता है कि रियल एस्टेट क्षेत्र को एक लाभदायक निवेश विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। पुरी ने कहा कि बनकर तैयार हो चुकी संपत्तियों की मांग काफी कम हुई है और वरीयता में सबसे निचले स्तर पर है। उन्होंने कहा, ''2023 की दूसरी छमाही में, तैयार घरों और नई पेशकश का अनुपात 23꞊24 है। यह 2020 की पहली छमाही की तुलना में रुझान पूरी तरह बदलने का संकेत देता है। उस समय यह अनुपात 46꞊18 था।''रिपोर्ट के मुताबिक, इस बदलाव के पीछे एक प्राथमिक कारण बड़े और सूचीबद्ध डेवलपरों से नई परियोजनाओं की आपूर्ति में बढ़ोतरी है। स्थापित डेवलपरों ने समय पर परियोजना की आपूर्ति कर संभावित घर खरीदारों के बीच भरोसा कायम किया है। इस सर्वे में लगभग 5,510 प्रतिभागियों ने ईमेल, वेब लिंक और संदेशों सहित विभिन्न डिजिटल स्रोतों के माध्यम से प्रतिक्रिया दी।सर्वे के प्रमुख निष्कर्षों के बारे में जानकारी देते हुए रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि बढ़ती कीमतों के बावजूद बड़े घरों की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने कई भूखंडों का अधिग्रहण किया

मुंबई ।

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने घरों की बढ़ती मांग के बीच चालू वित्त वर्ष में अब तक कई भूखंडों का अधिग्रहण किया है, जिससे करीब 20,000 करोड़ रुपये का राजस्व पैदा होने की संभावना है। कंपनी के अधिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में 15,000 करोड़ रुपये का नया कारोबार करने का लक्ष्य पहले ही हासिल कर लिया है। वहीं नए भूखंडों की खरीद एवं जमीन मालिकों के साझेदारियां इसी का हिस्सा हैं। हमने चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में 8,425 करोड़ रुपये की नई परियोजनाएं शुरू की हैं। चौथी तिमाही में भी कंपनी हैदराबाद एवं नोएडा में दो भूखंड खरीद चुकी है और बेंगलुरु में एक साझेदारी की है। उन्होंने कहा कि इन तीनों जमीन सौदों से कंपनी करीब 11,500 करोड़ रुपये का कुल राजस्व सृजित करने में सफल रहेगी। इस तरह चालू वित्त वर्ष में कारोबार राजस्व 20,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा। पिछले वित्त वर्ष में गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 32,000 करोड़ रुपये की राजस्व क्षमता वाली जमीनों का अधिग्रहण किया था।

विदेशी निवेशकों में 7 गुना बढ़ी अदाणी ग्रीन एनर्जी बॉन्ड की मांग

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी की तरफ से उतारे गए बॉन्ड की विदेशी निवेशकों में ज्यादा मांग बढ़ी है। पहले की तुलना में विदेशी निवेशकों के 7 प्रतिशत आवेदन ज्यादा आए हैं। आवेदन करने वाले विदेशी निवेशकों में ज्यूपिटर, स्कॉडर्स, पिमको, मेटलाइफ समेत बड़े निवेशक शामिल हैं। अलायंस व बर्नस्टीन ने भी इस पेशकश में हिस्सा लिया। सितंबर 2021 के बाद यह अदाणी समूह की तरफ से बॉन्ड का पहला लेनदेन है और पिछले साल दिसंबर में 1.4 अरब अमेरिकी डॉलर की इक्विटी कामयाबी के साथ जुटाए जाने के बाद हो रहा है। 18 साल वाले बॉन्ड की अंतिम ऑर्डर बुक 2.8 अरब डॉलर की रही। इस लेनदेन से जुड़े एक बैंकर ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, मजबूत मांग के चलते अंतिम लेनदेन की दर 6.7 फीसदी सालाना (फिक्स्ड रेट) तय हुई है, जो शुरुआती अनुमान 7.125 फीसदी से कम है। जनवरी 2023 में समूह के शेयरों को तब झटका लगा था जब अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने आरोप लगाए थे, लेकिन ये शेयर सुधर गए जब अमेरिकी जीक्यूजी पार्टनर्स ने समूह के शेयरों में निवेश किया। अदाणी ग्रीन एनर्जी ने इस लेनदेन पर कोई टिप्पणी नहीं की। बॉन्ड से मिली रकम का इस्तेमाल साल 2019 में जारी 50 करोड़ डॉलर के नोट्स के पुनर्भुगतान में होगा, जो 2024 में चुकाया जाना है।

शेयर बाजार भारी उछाल के साथ बंद, सेंसेक्स पहली बार 74 हजार के ऊपर निकला

निफ्टी 22,474.05 पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भारी उछाल के साथ ही अपने सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान बीएसई सेंसेक्स पहली बार 74 हजार अंक के ऊपर निकल गया। बाजार में ये बंपर उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में हुई भारी खरीददारी से आया है। वहीं आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई थी पर समय के साथ ही इसमें तेजी आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 0.55 फीसदी करीब 408.86 अंक की बढ़त लेकर 74,085.99 पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.53 फीसदी तकरीबन 117.75 अंक की बढ़त के साथ ही 22,474.05 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 35 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि 15 के नुकसान के साथ ही नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक बैंक का शेयर सबसे अधिक 2.37 फीसदी बढ़ा। इसके अलावा एक्सिस बैंक के शेयर भी दो फीसदी से ज्यादा बढ़कर बंद हुए। इसके अलावा भारती एयरटेल, सनफार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाइटन, एचसीएल टेक, टीसीएस व आईसीआईसीआई बैंक के शेयर लाभ के साथ बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, मारुति, जेएसडब्ल्यू स्टील, पावर ग्रिड और टाटा मोटर्स के शेयर गिरावट पर बंद हुए।

आज बाजार में तेजी

यूरोपीय बाजार में आये उछाल के साथ ही बैंक और आईटी कुछ शेयरों में खरीदारी से आई है।

वहीं अंतराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का सियोल, जापान का टोक्यो और चीन का शंघाई गिरावट के साथ बंद हुए जबकि हांगकांग लाभ के साथ बंद हुआ। यूरोपीय शेयर बाजार बढ़त पर कारोबार कर रहे थे। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स 86.83 अंक करीब 0.12 फीसदी टूटकर 73600 के करीब और पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 18.45 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी नीचे आकर 22330 के आसपास कारोबार कर रहा था।

वहीं प्री-ओपनिंग सेशन में सूचकांक में गिरावट दर्ज की गयी। सेंसेक्स 90 अंक करीब 0.12 फीसदी नीचे आकर 73,587 पर और निफ्टी 28 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी फिसलकर 22,327 पर कारोबार करता दिखा। इसके अलावा व्यापक बाजारों में बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 0.17 फीसदी और 0.63 फीसदी नीचे आया है।

आरबीआई ने कर्ज पर लगाई रोक,कंपनी ने कहा जांच में सहयोग करेंगे

नई दिल्ली।

आरबीआई ने मंगलवार को जेएम फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स लिमिटेड को तत्काल प्रभाव से शेयरों और डिबेंचर के बदले लोन देने से रोक दिया। इसमें जिसमें शेयरों की आईपीओ के खिलाफ लोन की मंजूरी और डिस्ट्रीब्यूशन भी शामिल है। फैसला सुनाते हुए आरबीआई ने कहा कि वित्तीय सेवा फर्म के लोन प्रोसेस में कुछ गंभीर कमियां देखने के बाद यह कार्रवाई की गई है।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि केंद्रीय बैंक ने इस बात पर प्रकाश डाला कि नियामक दिशानिर्देशों के उल्लंघन के अलावा, कंपनी में प्रशासन के मुद्दों पर गंभीर चिंताएं हैं। आरबीआई ने कहा, आईपीओ वित्तपोषण के साथ-साथ एनसीडी सदस्यता के लिए कंपनी द्वारा स्वीकृत लोनों के संबंध में देखी गई कुछ गंभीर कमियों के कारण यह कार्रवाई आवश्यक हो गई है।आरबीआई ने कहा कि बैंकिंग नियामक ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर कंपनी के बही-खातों की सीमित समीक्षा की थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। समीक्षा के दौरान, यह बात भी सामने आई कि कंपनी ने उधार ली गई धनराशि का उपयोग करके अपने ग्राहकों के एक समूह को विभिन्न आईपीओ और एनसीडी पेशकशों के लिए बोली लगाने में बार-बार मदद की।

आरबीआई ने मंगलवार को कहा कि क्रेडिट अंडरराइटिंग त्रुटिपूर्ण पाई गई और वित्तपोषण अल्प मार्जिन पर किया गया था। आरबीआई ने आगे कहा कि सदस्यता के लिए आवेदन, डीमैट खाते और बैंक खाते, सभी को कंपनी द्वारा पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) और इन ग्राहकों से प्राप्त मास्टर एग्रीमेंट का उपयोग करके संचालित किया गया था, बाद के संचालन में उनकी भागीदारी के बिना।

ब्लॉक डील के बाद जोमैटे के शेयरों में दिख रही बिकवाली

मुंबई । फूड डिलीवरी एप जोमैटे के शेयरों में आज बिकवाली का दबाव दिख रहा है। आज हुई करीब 19 करोड़ शेयरों की ब्लॉक डील के चलते स्टॉक पर काफी दवाब रहा। बताया जा रहा है कि ये ब्लॉक डील करीब 3122 करोड़ रुपये की हैं, जिसके चलते जोमैटो के शेयर इंट्रा-डे में 5 फीसदी से अधिक टूट गए। बताया जा रहा चीन की अलीबाबा-संबद्ध एंट फाइनेंशियल 159.4 रुपये के न्यूनतम मूल्य पर 2 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने की सोच रही है, जो मंगलवार के बाजार मूल्य से लगभग 5 प्रतिशत की छूट है। हालांकि शेयर में थोड़ी रिकवरी हुई लेकिन गिरावट बरकरार है। अभी बीएसई पर यह 4.37 फीसदी की गिरावट के साथ 159.95 रुपये के भाव पर है। इंट्रा-डे में यह 5.03 फीसदी फिसलकर 157.70 रुपये तक आ गया था। 4 मार्च को जोमैटो के शेयर की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। पिछले तीन महीनों में, यह 42 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है, जिससे ज़ोमैटो का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 1.46 लाख करोड़ हो गया है।

बढती मांग के बीच कोरोना के बाद बढ़े प्रॉपर्टी के दाम

नई दिल्ली।

उद्योग मंडल फिक्की और एनारॉक के सर्वे में बताया गया कि देश में बड़े और लग्जरी घरों की मांग में उल्लेखनीय तेजी आई है। सर्वे में यह भी कहा गया है कि निवेशक एक बार फिर देश के आवास बाजार का रुख करने लगे हैं। 36 प्रतिशत लोग निवेश के उद्देश्य से घर खरीदना चाहते हैं। कोविड-19 महामारी के समय ऐसा लग रहा था कि प्रॉपर्टी मार्केट में गिरावट नजर आएगी लेकिन कोरोना काल के घर व जमीनों की कीमत में बड़ा इजाफा हुआ। ऐसा क्यों हुआ यह सवाल हर आदमी के मन में है। उद्योग मंडल फिक्की और एनारॉक के एक सर्वे में इस बारे में जानकारी देने की कोशिश की गई। फिक्की-एनारॉक उपभोक्ता धारणा सर्वे (दूसरी छमाही 2023) जारी किया गया। इस सर्वे के मुताबिक, संभावित घर खरीदार बड़ा घर खरीदने पर विचार कर रहे हैं और नई परियोजनाओं में भी फ्लैट खरीदने से भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। फिक्की की रियल एस्टेट समिति के चेयरमैन राज मेंडा ने कहा, ''खर्च योग्य आमदनी बढ़ने, कोविड-19 महामारी के बाद घर से काम करने की प्रवृत्ति की वजह से आज खरीदार बड़ा घर खरीदना चाहते हैं। इससे देश में बड़े और लक्जरी घरों की मांग में उल्लेखनीय तेजी आई है। इसके अलावा अब लोग किराये के घर में रहने के बजाय घर के मालिक बनना चाहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, निवेशकों के रुख में आया यह बदलाव बताता है कि रियल एस्टेट क्षेत्र को एक लाभदायक निवेश विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। पुरी ने कहा कि बनकर तैयार हो चुकी संपत्तियों की मांग काफी कम हुई है और वरीयता में सबसे निचले स्तर पर है। उन्होंने कहा, ''2023 की दूसरी छमाही में, तैयार घरों और नई पेशकश का अनुपात 23꞊24 है। यह 2020 की पहली छमाही की तुलना में रुझान पूरी तरह बदलने का संकेत देता है। उस समय यह अनुपात 46꞊18 था।''रिपोर्ट के मुताबिक, इस बदलाव के पीछे एक प्राथमिक कारण बड़े और सूचीबद्ध डेवलपरों से नई परियोजनाओं की आपूर्ति में बढ़ोतरी है। स्थापित डेवलपरों ने समय पर परियोजना की आपूर्ति कर संभावित घर खरीदारों के बीच भरोसा कायम किया है। इस सर्वे में लगभग 5,510 प्रतिभागियों ने ईमेल, वेब लिंक और संदेशों सहित विभिन्न डिजिटल स्रोतों के माध्यम से प्रतिक्रिया दी।सर्वे के प्रमुख निष्कर्षों के बारे में जानकारी देते हुए रियल एस्टेट सलाहकार एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि बढ़ती कीमतों के बावजूद बड़े घरों की मांग अब भी मजबूत बनी हुई है।

लगभग 50 प्रतिशत लोग तीन बेडरूम वाला घर खरीदना चाहते हैं। वहीं 38 प्रतिशत ने दो बीएचके का घर खरीदने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि निवेशक एक बार फिर बाजार में लौट रहे हैं।

रेटिंग एजेंसी का अनुमान, 2031 तक अपर मीडिल आय वाला देश भारत

अर्थव्यवस्था भी सात लाख करोड़ डॉलर होगी

नई दिल्ली ।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अगले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाकर कहा कि यह 2031 तक अपर मीडिल इनकम' वाला देश बन जाएगा और अर्थव्यवस्था भी दोगुनी होकर सात लाख करोड़ डॉलर होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष में उम्मीद से बेहतर 7.6 प्रतिशत वृद्धि रहने के बाद भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 में थोड़ा मध्यम होकर 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रिपोर्ट कहती है कि अगले सात वित्त वर्षों (2024-25 से 2030-31) में भारतीय अर्थव्यवस्था पांच लाख करोड़ डॉलर का आंकड़ा पार कर सात लाख करोड़ डॉलर के करीब पहुंचेगी। अवधि में 6.7 प्रतिशत की अनुमानित औसत वृद्धि भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बना देगी और 2030-31 तक इसकी प्रति व्यक्ति आय भी उच्च-मध्यम आय समूह तक पहुंच जाएगी।

भारत फिलहाल 3.6 लाख करोड़ डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके आगे अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी हैं। 2030-31 तक अर्थव्यवस्था का आकार 6.7 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगा क्रिसिल को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2030-31 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 6.7 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगा।

उस समय तक देश की प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर 4,500 अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगी और भारत उच्च-मध्यम आय वाले देशों के समूह में शामिल हो जाएगा।

क्रेटा एन लाइन उतरेगी 11 मार्च को बाजार में

-25 हजार रुपये जमा करवाकर कर सकते हैं बुक

नई दिल्ली ।

कार निर्माता कंपनी हुंडई की क्रेटा एन लाइन को 11 मार्च को भारतीय बाजार में उतारा जा रहा है । क्रेटा एन लाइन की बुकिंग शुरू हो चुकी है। यह गाड़ी दो वेरिएंट, एन8 और एन10 में उपलब्ध होगी। 25 हजार रुपये जमा करवाकर आप इस शानदार एसयूवी को बुक कर सकते हैं।

नई एन लाइन में स्पोर्टी एक्सटीरियर स्टाइल, लाउड एग्जॉस्ट सेटअप, स्टिफर सस्पेंशन, एन-लाइन बैजिंग और केबिन में स्पोर्टियर एलिमेंट्स दिए जाएंगे। अब सवाल यह है कि बुकिंग के बाद आपको गाड़ी कितने दिन में कंपनी डिलीवर कर देगी?नई क्रेटा एन लाइन की डिलीवरी 15 मार्च से शुरू होने की उम्मीद है। अगर आप भी इस गाड़ी को खरीदना चाहते हैं तो घर लाने के लिए आपको कुछ दिन इंतजार करना पड़ सकता है। हुंडई का कहना है कि बुकिंग के बाद क्रेटा एन लाइन छह से आठ सप्ताह में ग्राहक को डिलीवर की जाएगी।नई क्रेटा एन लाइन में डब्ल्यूआरसी इंस्पायर्ड डिजाइन देखने को मिलेगा।

स्पोर्टी लुक के साथ पावरफुल परफॉर्मेंस और बेहतरीन ड्राइविंग एक्सपीरियंस भी मिलेगा। कई सारे एंगल कट और कंप्रिहेंसिव एयर इनलेट्स के साथ नई ग्रिल और बम्पर लगे होंगे। पीछे एक मैन डिफ्यूज़र के साथ एक स्पोर्टियर बम्पर मिलेगा। हेडलैंप, टेललाइट्स और एलईडी डीआरएल में कंपनी ने कोई बदलाव नहीं किया है। हुंडई क्रेटा एन लाइन 42 स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स और 70 से ज्यादा अडवांस्ड सेफ्टी फीचर्स से लैस होगी।

नई क्रेटा एन लाइन को 1.5-लीटर चार-सिलेंडर टर्बो-पेट्रोल इंजन के साथ पेश किया जाएगा। यह इंजन 160 एचपी की पावर और 253 एनएम का टॉर्क देता है। इसे दो गियरबॉक्स-7-स्पीड डीसीटी और एक 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ बाजार में उतारा जाएगा।इनमें 6 एयरबैग्स, इलेक्ट्रोनिक स्टैबिलिटी कंट्रोल, ऑटो होल्ड के साथ इलेक्ट्रोनिक पार्किंग ब्रेक, हिल असिस्ट कंट्रोल समेत कई सुरक्षा फीचर्स शामिल हैं।

घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल की कीमतों में बदलाव

आंध्र प्रदेश, झारखंड में बढ़ी जबकि बिहार व छत्तीसगढ़ में कम हुई

नई दिल्ली ।

घरेलू बाजार में बुधवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट आयी है। आज सुबह ब्रेंट क्रूड 81.97 डॉलर प्रति बैरल पर बिका। पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर इसका अधिक प्रभाव नहीं दिखा। वहीं आंध्र प्रदेश, झारखंड और असम सहित कुछ राज्यों में ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। दूसरी ओर बिहार, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में पेट्रोल-डीजल की कीमतें नीचे आयी हैं। चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.92 रुपये और डीजल 90.08 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया। गाजियाबाद में 96.26 रुपये और डीजल 89.45 रुपये प्रति लीटर पर है। वहीं लखनऊ में पेट्रोल 96.59 रुपये और डीजल 89.78 रुपये प्रति लीटर तक आया है।

इसके अलावा बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर आया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल के लिए चेन्नई पहुंचे धोनी ने शुरु किया अभ्यास

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) क्रिकेट टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सहित टीम के कई खिलाड़ियों ने 22 मार्च से यहां शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17 वें सत्र के लिए तैयारी शुरु कर दी है। धोनी गत दिवस ही यहां पहुंचे थे। सीएसके ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर भी जारी की है जिसमें धोनी गाड़ी से बाहर निकलते हुए दिख रहे हैं। धोनी की कप्तानी में ही सीएसके ने गत वर्ष अपना अपना पांचवा खिताब जीता था। माना जा रहा है कि ये धोनी इस सत्र के बाद खेल को अलविदा कह देंगे। वहीं पिछले बार में घुटने में दर्द के कारण निचले क्रम पर ही खेलने उतरे थे। सीएसके के इस अभ्यास सत्र के लिए धोनी से पहले दीपक चाहर, रुतुराज गायकवाड़, सिमरजीत सिंह, राजवर्धन हंगरगेकर, मुकेश चौधरी, प्रशांत सोलंकी, अजय मंडल, शेख रशीद और निशांत सिंधु भी यहां पहुंच गये थे। इन सभी ने अभ्यास भी शुरु कर दिया है। सीएसके को इस टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला मैच 22 मार्च को आरसीबी से खेलना है।

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में भी जीत की लय बनाये रखने उतरेगी भारतीय टीम

अश्विन ओर बेयरस्टो खेलेंगे अपना सौवां टेस्ट

धर्मशाला ।

यहां भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में शुरु हो रहे पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम जीत का सिलसिल जारी रखने के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने अभी तक इस सीरीज में 3-1 की बढ़त हासिल कर ली है। जिससे उसका मनोबल बढ़ हुआ है। वहीं दूसरी ओर मेहमान टीम इंग्लैंड दबाव में रहेगी और उसका इरादा इस मैच में जीत कर अपनी लय हासिल करना रहेगा। भारतीय टीम ने पहले ही इस सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। ऐसे में वह इस मैच में कुछ बदलावों के साथ उतर सकती है। टीम प्रबंधन इस मैच में युवाओं को अवसर दे सकती है। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी इस मैच से वापसी करेंगे। बुमराह को पिछले मैच में आराम दिया गया है।

अब देखना होगा कि क्या बुमराह अपने एक साथी तेज गेंदबाज की जगह उतरेंगे। या भारतीय टीम दो स्पिनरों और तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगी। भारतीय टीम भारत अगर दो स्पिनरों के साथ उतरती है तो कुलदीप यादव को बाहर बैठना पड़ सकता है। उन्हें टीम में रखन का फैसला धर्मशाला के विकेट पर निर्भर करेगा।

वहीं विभाग रजत पाटीदार को इस मैच में भी टीम में बरकरार रखा जाएगा हालांकि वह पिछले मैचों में विफल रहे थे। कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को भी इस मैच में डेब्यू का अवसर मिल सकता है। वहीं इंग्लैंड की बल्लेबाजी और गेंदबाजी रांची में विफल रही थी। ऐसे में अगर उसे ये मैच जीतना है तो दोनो ही क्षेत्रों में अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। जॉनी बेयरस्टो को खराब प्रदर्शन के बाद भी इस मैच में बरकरार रखा जाना तय है। टीम की बल्लेबाजी जो रुट ओली पोप , बेन डकेट पर निर्भर करेगी। गेंदबाजी की जिम्मेदारी जेम्स एंडरसन के अलावा स्पिनर टॉम हार्टले और शोएब बशीर पर रहेगी।

इंग्लिश टीम ने अपनी अंतिम ग्यारह जारी कर दी है। टीम में तेज गेंदबाज मार्क वुड की वापसी हुई है। वुड इंग्लैंड के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक हैं।

है। इंग्लैंड ने इस सीरीज का पहला मैच जीता था पर इसके बाद उसे लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। वुड को अंतिम ग्यारह में ओली रॉबिनसन की जगह शामिल किया गया है। रॉबिनसन को केवल एक मैच के बाद ही बाहर कर दिया गया है। रॉबिनसन चौथे टेस्ट मैच में एक भी विकेट नहीं ले पाए थे हालांकि, उन्होंने 58 रन की पारी खेली थी। विकेटकीर बल्लेबाज बेयरस्टो 99 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। धर्मशाला में उतरते ही वह अपना सौवां टेस्ट खेलेंगे। बेयरस्टो के अलावा भारत के आर अश्विन भी अपना 100वां टेस्ट मैच खेलेंगे।

अब खेलो इंडिया के पदक विजेताओं को भी मिल सकेगी सरकारी नौकरी - अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली ।

PTI

केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि अब खेलो इंडिया के पदक विजेताओं को भी सरकारी नौकरी मिलेगी। ठाकुर ने कहा कि संशोधित मानदंडों के बाद खेलो इंडिया के पदक विजेता भी अब सरकारी नौकरी हासिल करने के योग्य हो गये हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिभाओं को निखारने तथा खेल को एक आकर्षक और करियर विकल्प में बदलने के रुख को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। उन्होंने कहा कि कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने खेल मंत्रालय के परामर्श से सरकारी नौकरी चाहने वाले खिलाड़ियों के लिए पात्रता मानदंडों में भी संशोधन किया है। ठाकुर ने कहा, 'खेलो इंडिया के पदक विजेता खिलाड़ी अब सरकारी नौकरी पाने के योग्या होंगे। खेलो इंडिया खेलों का पहली बार 2018 में आयोजन किया गया था। इससे पहले कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग ने अपने आदेश में कहा था, 'खेल विभाग से परामर्श के बाद अधिक स्पष्टता लाने, हाल के समय में महत्व हासिल करने वाली प्रतियोगिताओं को भी इसमें शामिल करने और इन प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के लिए दिशानिर्देशों की समीक्षा की गई है। आदेश के अनुसार जिन प्रतियोगिताओं को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा दिया गया है उनमें राष्ट्रीय खेल महासंघों द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप, भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेल तथा खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल, खेलो इंडिया आदि हैं।

नेत्रहीन क्रिकेट टीम को भी मान्यता दी लाये: कोच

नई दिल्ली । भारतीय नेत्रहीन क्रिकेट टीम के कोच मोहम्मद इब्राहिम ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से मांग की है कि इस टीम को भी मान्यता दी जाये जिससे कि उसका तेजी से विकास हो सके। इब्राहिम ने कहा कि नेत्रहीन क्रिकेट को अगले स्तर तक ले जाना है तो बीसीसीआई को उसे अपने संरक्षण में लेना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि मान्यता के साथ ही नेत्रहीन क्रिकेटरों को बोर्ड से केंद्रीय अनुबंध भी मिलने चाहिए। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के नेत्रहीन क्रिकेटरों को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) से अनुबंध मिले हुए हैं जिसके बाद उनका प्रदर्शन बेहतर हुआ है। पीसीबी ने उनका काफी सहयोग किया है। अब बीसीसीआई को भी आम क्रिकेटरों की तरह ही नेत्रहीन क्रिकेटरों को भी अनुबंध देने चाहिए। वहीं भारतीय नेत्रहीन क्रिकेट संघ के महासचिव शैलेंदर यादव ने कहा कि नेत्रहीन क्रिकेटरों के लिये सराहना और सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा, 'नेत्रहीन टीम के पूर्व कप्तान शेखर नाईक को पद्मश्री दिया गया और पूर्व कप्तान अजय रेड्डी को इस साल अर्जुन पुरस्कार मिला। उम्मीद है कि दूसरे देशों की तरह अब भारतीय बोर्ड भी नेत्रहीन क्रिकेट को गंभीरता से लेगा। उन्होंने कहा, 'अभी खिलाड़ियों को भारत सरकार और प्रदेश सरकारों से वित्तीय सहायता मिल रही है पर ये ही पर्याप्त नहीं है।

पेरिस ओलंपिक में टोक्यो से अधिक पदक जीतेगी भारतीय टीम : गोपीचंद

सात्विक-चिराग और सिंधु की जोड़ी जीत सकती है पदक

नई दिल्ली ।

भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद को उम्मीद है कि भारतीय टीम पेरिस ओलंपिक में टोक्यो ओलंपिक से अधिक पदक जीतेगी। पेरिस ओलंपिक में भारत के कुल पदकों की संभावना के बारे में पूछने पर गोपीचंद ने कहा, ''हर कोई बड़ी संख्या का अंदाजा लगा रहा है पर मैं संख्या नहीं बता सकता, लेकिन मुझे लगता है कि यह निश्चित रूप से पिछली बार से ज्यादा होगी।'' गोपीचंद के अनुसार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय जोड़ी पेरिस ओलंपिक में पदक जीत सकती है। इस जोड़ी के अलावा पीवी सिंधु भी पदक जीतने की प्रबल दावेदार हैं।

पूर्व ऑल इंग्लैंड चैम्पियन रहे गोपीचंद ने कहा कि सात्विकसाईराज र चिराग की जोड़ी अभी विश्व में नंबर एक जोड़ी है। ऐसे में वह पदक जीतने की प्रबल दावेदार होगी। साथ ही कहा कि दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधु भी लय में आ रही हैं और वह फिर से पेरिस में पदक दिला सकती हैं।चोट के बाद वापसी करते हुए सिंधु ने भारतीय महिला टीम को बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जिताया था। वहीं सात्विक और चिराग का सफर भी बेहतरीन रहा है। इस जोड़ी ने 2023 चीन ओपन और मलेशिया ओपन सुपर 1000 तथा इंडिया ओपन सुपर 750 में लगातार खिताब जीते थे। जिससे वह इस सत्र में दुनिया की नंबर एक युगल जोड़ी बन गये।गोपीचंद ने कहा, ''यह कहना सही होगा कि दुनिया के नंबर एक जोड़ी के तौर पर वे निश्चित रूप से शीर्ष स्तर पर जीतने के दावेदार हैं। '' उन्होंने कहा, ''उनकी जोड़ी मजबूत है और जब भी वे कोर्ट पर कदम रखते हैं तो वे प्रबल दावेदार होते हैं। आज अगर मुझे सभी देशों में खेलों में किसी भी एक प्रबल दावेदार जोड़ी को चुनना हो तो वह सात्विक और चिराग की जोड़ी होगी।''

संक्षिप्त समाचार

निशांत ओलंपिक क्वालीफायर में जीते, थापा हारे

बस्तो अर्सिजियो । भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर में जीत से शुरुआत की है जबकि भारत के ही शिव थापा को हार का सामना करना पड़ा है। देव ने ब्रिटेन के मुक्केबाज लुईस रिचर्डसन को एक कड़े मुकाबले में 3-1 से हराया। वहीं थापा को पहले दौर में ही हार झेलनी पड़ी है। । निशांत ने पुरुषों के 71 किग्रा भार वर्ग में विरोधी रिचर्डसन के खिलाफ शुरू से ही आक्रामक रुख अपनाया। इसके साथ ही पहले दौर में 4-1 से मुकाबला जीता। वह दूसरे दौर में अपने प्रतिद्वंद्वी पर पूरी तरह हावी रहे। निशांत ने इस दौर को 5-0 से जीता। निशांत ने तीसरे दौर में अपनी बढ़त को बरकरार रखने के लिए रक्षात्मक रवैया अपनाया और अंत में विभाजित फैसले से जीत दर्ज की। वहीं भारत के ही शिव 63.5 किग्रा भार वर्ग में उज्बेकिस्तान के रुस्लान अब्दुल्लाव से हार गए। रुस्लान ने उन्होंने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाकर थापा को कोई अवसर नहीं दिया। रेफरी ने पहले राउंड में ही मुकाबला रोककर उज्बेकिस्तान के मुक्केबाज को विजेता घोषित कर दिया. भारत ने अब तक पेरिस ओलंपिक के लिए मुक्केबाजी में चार कोटा हासिल किए हैं। ओलंपिक कोटा हासिल करने वाले मुक्केबाजों में निकहत ज़रीन (50 किग्रा), प्रीति पवार (54 किग्रा), परवीन हुडा (57 किग्रा) और लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) शामिल हैं। इन सभी ने पिछले साल एशियाई खेलों में ओलंपिक कोटा हासिल किया था।

'द हंड्रेड के लिए विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में तीन भारतीय महिला क्रिकेटर भी शामिल

लंदन । तीन भारतीय महिला क्रिकेटरों स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के अलावा ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर को 'द हंड्रेड टूर्नामेंट के लिए बने चार विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में सबसे अधिक बेस प्राइस पर रखा गया है। उन 4 खिलाड़ियों को 50,000 पाउंड (लगभग 52 लाख रुपए के आधार मूल्य पर रखा गया है। वहीं कुल मिलाकर 15 भारतीय खिलाड़ियों ने आगामी 'द हंड्रेड ड्राफ्ट के लिए अपने नाम दिये हैं। ये टूर्नामेंट 20 मार्च को लंदन में होगा। इसके लिए भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर का आधार मूल्य 30,000 पाउंड (लगभग 32 लाख रुपए) है, जबकि ऋचा घोष और श्रेयंका पाटिल का आधार मूल्य 17,500 पाउंड (लगभग 18 लाख रुपए) है। इस ड्राफ्ट में शामिल अन्य भारतीयों में राधा यादव, स्नेह राणा, किरण नवगिरे, यास्तिका भाटिया, शिखा पांडे और वेदा कृष्णमूर्ति भी शामिल हैं। यह द हंड्रेड महिला प्रतियोगिता का चौथा संस्करण होगा जो 23 जुलाई से शुरू होगा। इसका पहला मुकाबला ओवल इनविंसिबल्स और बर्मिंघम फीनिक्स टीमों के बीच होगा। 100 गेंदों के द हंड्रेड टूर्नामेंट में इंग्लैंड और वेल्स की आठ टीमें भी रहेंगी। इस ड्राफ्ट के लिए 15 भारतीय महिलाओं का पंजीकरण हुआ है। इसमें कुल मिलाकर, 127 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटरों और 122 घरेलू खिलाड़ियों के नाम पंजीकृत किये गये हैं।

स्मिथ, रूट और विलियमसन को गेंदबाजी करना सबसे कठिन मानते हैं अश्विन

धर्मशाला ।

भारतीय क्रिकेट टीम टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के अलावा इंग्लैंड के जो रुट और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को गेंदबाजी करना अच्छा लगता है। अश्विन ने अपने 100वें टेस्ट मैच से पहले उन खिलाड़ियों को याद किया जिनके साथ उनका कड़ा मुकाबला होता है। वहीं इससे पहले रूट ने अश्विन की गेंदबाजी की प्रशंसा करते हुए कहा था कि उन्हें खेलना कठिन होता है। अश्विन ने कहा कि रूट के अलावा स्मिथ और विलियमसन की बल्लेबाजी देखकर उन्हें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की प्रेरणा मिली। उन्होंने कहा, ''मुझे स्मिथ, विलियमसन और रूट को गेंदबाजी देखना अच्छा लगता है। वह अभी विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। '' अश्विन ने कहा, ''जब मैं प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला करता था तो मुझे स्पिनरों के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी करने वाले कुछ बल्लेबाजों को गेंदबाजी करने का भी अवसर मिला जिससे मेरी गेंदबाजी बेहतर हुई। साथ ही कहा कि तमिलनाडु के अभ्यास सत्रों के दौरान उन्हें बल्लेबाज एस बद्रीनाथ को गेंदबाजी करने का अवसर मिला। बद्रीनाथस्पिन को बहुत अच्छी तरह से खेलता है। इसके अलावा मिथुन मनहास और रजत भाटिया को भी उन्होंने गेंदबाजी की थी।'' उन्होंने कहा, ''ये सभी स्पिन को अच्छी तरह से खेलने वाले सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में शामिल हैं जिनका मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सामना नहीं करना चाहता था। इन सभी का मैं सम्मान करता हूं क्योंकि इन्हें गेंदबाजी करने से मुझे अपनी कमियां पता चली।''

पांचवें टेस्ट में अपने 1000 टेस्ट रन पूरे कर सकते हैं यशस्वी

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार से धर्मशाला में होने वाले अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर सकते हैं। यशस्वी के इस मैच में 29 रन बनाने के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में 1000 रन हो जाएंगे। इसके अलावा वह आईसीसी टेस्ट चैंपियनशिप 2023-2025 में 1000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन जाएंगे। अब तक इस युवा बल्लेबाज ने 8 मैचों में 971 रन बनाये हैं। 655 रन उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज में बनाए हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के उस्मान ख्वाजा भी इस दौड़ में यशस्वी के करीब हैं। ख्वाजा ने अब तक 11 टेस्ट में 916 रन बनाए हैं और 1000 रन बनाने के लिए उन्हें 84 रन की जरूरत है। .भारत के लिए केवल दो खिलाड़ी ही टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में 1000 रन बनाने में सफल हुए हैं। अजिंक्य रहाणे ने 2019-2021 में 18 टेस्ट खेलते हुए कुल 1159 रन बनाए थे। वहीं, रोहित शर्मा ने भी इसी साल 12 मैचों में 1094 रन बनाए थे। ऐसे में अगर यशस्वी जायसवाल अपने 9वें मैच में हजार रन पूरे कर लेते हैं तो वह टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज में यशस्वी ने अब तक शानदार प्रदर्शन करते हुए दो दोहरे शतक लगाये हैं।

शबनीम ने डब्ल्यूपीएल में सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकार्ड बनाया

नई दिल्ली । मुंबई इंडियंस की ओर से महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट में खेल रही दक्षिण अफ्रीका की पूर्व तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल ने एक अहम रिकार्ड बनाया है। शबनीम ने इस लीग में सबसे तेज गेंद फेंककर महिला क्रिकेट में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। शबनीम ने गत दिवस दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच हुए मुकाबले में ये रिकार्ड बनाया। इस तेज गेंदबाज ने इस मैच में मुंबई की ओर से गेंदबाजी करते हुए 132.1 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की। महिला क्रिकेट इतिहास में यह किसी भी गेंदबाज द्वारा फेंकी अब तक की सबसे तेज गेंद है। शबनीम ने मैच के तीसरे ओवर की दूसरी गेंद पर ही यह रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इस तेज गेंद को पिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग खेल नहीं पायीं और गेंद फ्रंट पैड पर लगी। पिछले साल अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाली शबनीम के नाम कई बड़े रिकॉर्ड भी हैं। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में भी सबसे तेज गेंद उन्हीं के नाम है। उन्होंने 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 128 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी थी।

पाक के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज से बाहर रहेंगे ग्रीन : कोच

भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज की तैयारी करेंगे

वैलिंगटन ।

ऑस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज में ऑलराडर कैमरुन ग्रीन के बिना ही उतरेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा कि ग्रीन भारत के खिलाफ इस साल के अंत में होने वाली घरेलू टेस्ट सीरीज की तैयारी करेंगे। ऐसे में वह पाक के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे।

ग्रीन स्वदेश लौटकर घरेलू प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता शैफील्ड शील्ड में खेल सकते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भी यही रणनीति अपनाई गई थी और ग्रीन ने पहले टेस्ट मैच में 174 रन की नाबाद पारी खेलकर इसे सही साबित किया था। इसी के बल पर उनकी टीम ने इस मैच में बड़ी जीत दर्ज की थी। ग्रीन को वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया था। इसके बजाय उन्होंने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तस्मानिया के खिलाफ शैफील्ड शील्ड का मैच खेला था जिसमें उन्होंने नाबाद 103 रन बनाकर न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए अच्छी तैयारी की थी। मैकडोनाल्ड ने कहा, 'किसी भी खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर रखना कठिन फैसला होता है वह भी तब जबकि वह आपकी सर्वश्रेष्ठ एकादश में शामिल होने की योग्यता वाला हो। इसलिए मुझे खुशी है कि ग्रीन ने हमारा सुझाव माना और इसके बाद शानदार वापसी की। उन्होंने कहा, 'हमारा ध्यान भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहले की तैयारियों पर है जहां हमें पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 मैच खेलने हैं। हम सभी जानते हैं कि वह सीमित ओवरों का कितना अच्छा खिलाड़ी है पर आपको अगली सीरीज देखते हुए अपनी प्राथमिकता तय करनी होगी। ऑस्ट्रेलिया के कोच ने कहा, 'सीमित ओवरों की क्रिकेट महत्वपूर्ण है पर टेस्ट सीरीज भी उतनी ही अहम है।

धर्मशाला टेस्ट का मजा खराब कर सकती है बारिश

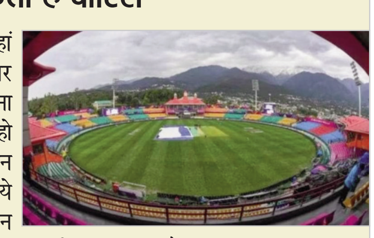

धर्मशाला । भारत और इंग्लैंड के बीच गुरुवार से यहां धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में होने वाले पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में बारिश की आशंका है। ऐसे में माना जा रहा है कि इससे अंतिम टेस्ट मैच को खेलना मुश्किल हो सकता है। मौसम विभाग के अनुसार यहां गुरुवार को पहले दिन भारी बारिश हो सकती है जिससे मैच शायद ही शुरु हो पाये। ये मैच धर्मशाला में सुबह 9.30 से शुरू होना है। इस दौरान पूर्वानुमानों से पता चलता है कि तापमान -4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ सकता है। यहां तक कि बर्फबारी के साथ बारिश भी हो सकती है। शुरुआती दिनों में बारिश से खेल बाधित होना तय है। इस दौरान रात में तापमान -4एष्ट और दिन में 1एष्ट तक गिरने की संभावना है। मौसम कार्यालय के अनुसार मैच के पहले दो दिन बारिश होगी पर बाकि बचे हुए तीन दिन में धूप खिलने की संभावना है। इससे खेलना संभव होगा। यहां कड़ाके की सर्दी पड़ रही है पर इंग्लैंड को शीत लहर से इतना उसन नहीं पड़ने वाला है। इससे मेहमान टीम के कप्तान बेन स्टोक्स अधिक तेज गेंदबाजों के साथ खेलेंगे। ऐसे में देखना होगा कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की योजना कैसी रहती है। भारतीय टीम इस मैच में युवा तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार और आकाश दीप के साथ उतर सकती है। धर्मशाला में अब तक केवल एक टेस्ट मैच हुआ है। ये साल 2017 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया था। जिसमें भारतीय टीम को जीत मिली थी।

छुट्टियों में लें गोआ का मजा

भारत के पुराणों और प्राचीन ग्रंथों में गोवा का उल्लेख मिलता है। इसे पहले गोपराष्ट्र, गोपकपुरी, गोपकपट्टन, गोअंचल, गोवे, गोवापुरी, गोपकापाटन, गोमंत, चंद्रपुर और चंदौर नाम से जाना जाता था। परशुराम ने बाणों की वर्षा से इसे पीछे धकेल दिया था, इसी कारण इसे वाणस्थली भी कहा जाता है। जिस स्थान का नाम पुर्तगाल के यात्रियों ने गोवा रखा, वह आज का छोटा–सा समुद्र तटीय शहर गोअ–वेल्हा है। बाद में समूचे द्वीप क्षेत्र को गोआ या गोवा कहा जाने लगा। पुर्तगालियों ने यहां ईसाई धर्म का प्रचार–प्रसार किया। गोवा लगभग 500 वर्ष तक पुर्तगालियों के अधीन रहा। यहां की मातृ भाषा कोंकण और मराठी है। 1000 साल पहले कहा जाता है कि गोआ कोंकण काशी के नाम से जाना जाता था। हालांकि पुर्तगाली लोगों ने यहां के इतिहास और मूल संस्कृति का नामोनिशान मिटाकर धर्मांतरण का ही काम किया हो, ऐसा नहीं, उन्होंने यहां की प्राकृतिक और धन संपदा को लूटकर पुर्तगाल में भेज दिया।

भारतीय राज्य गोवा के तट विश्व प्रसिद्ध हैं। दुनिया भर से यहां लोग छुट्टियां मनाने आते हैं। गोवा चारों ओर समुद्र से घिरा है। यहां पहुंचने के लिए मुख्यतः दो मार्ग है- महाराष्ट्र के मुंबई से गोवा और कर्नाटक के बेलगाम से गोवा। गोवा की राजधानी पणजी है।

प्रदेश के सुनहरे लम्बे समुद्र तट, आकर्षक चर्च, मंदिर, पुराने किले और कलात्मक भग्नावशेषों ने पर्यटन को गोवा का प्रमुख उद्योग बना दिया है।

जहां, यहां संगीत, नाच-गाना, ड्रम और गिटार की धुनें शांत, स्वच्छ व मनोरंजक वातावरण प्रस्तुत करती हैं, वहीं यहां का समुद्री भोजन दुनिया भर में प्रसिद्ध है। भरपूर मौज मस्ती और मनोरंजन के लिए गोवा एक आदर्श स्थान है।

संपूर्ण गोवा में इतने अधिक समुद्र तट हैं कि पर्यटकों को गोवा के सभी तटों को देखने में एक महीने से भी अधिक वक्त लग जाएगा। गोवा के इन समुद्र तटों पर, आप समुद्र की लहरों पर वॉटर सर्फिंग, पैरासेलिंग, वॉटर स्किइंग, स्कूबा डाइविंग, वॉटर स्कूटर आदि का लुत्फ उठा सकते हैं।

पणजी, मडगांव, वास्को, मापुसा तथा पोंडा राज्य के प्रमुख शहर हैं। पणजी गोवा राज्य की राजधानी है, जो मांडवी नदी के तट पर स्थित है। यहां मांडवी नदी के ऊपर बना ब्रिज देखने लायक है।

पणजी में बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस चर्च और मूर्ति मंदिर, महालक्ष्मी मंदिर सहित कई प्राचीन मंदिर और चर्च है। यहां का पुराना शहर देखने लायक है। यहां अंग्रेजों के जमाने की जेल है, जहां स्वतंत्रता आंदोलन के सेनानियों को रखा जाता था। यहां नदी और समुद्र का संगम भी एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

हम सभी को छुट्टियों का बहाना चाहिए। छुट्टियों का यदि सदुपयोग हो जाए तो उसका पूरा-पूरा मजा लिया जा सकता है। गोआ एक ऐसा स्थान है, जहां आप जिंदगी का भरपूर मजा ले सकते हैं।

यहां के लुभावने समुद्र तट व फ्रेंक लाइफ स्टाइल आपमें एक नई ऊर्जा का संचार कर देगी। यदि आप उन्मुक्तता पसंद करते हैं और अपने जीवनसाथी के साथ अंतरंग पल गुजारना चाहते हैं तो गोआ आपके लिए बेहतर पर्यटन स्थल सिद्ध होगा।

लुभावने समुद्र तट

गोआ भारत का एक ऐसा राज्य है जहां अनगिनत समुद्र तट हैं, जहां की स्वच्छंद व उन्मुक्त लाइफ स्टाइल पर्यटकों को गोआ की ओर खींच लाती है। गोआ में इतने अधिक बीच में है कि पर्यटक को गोआ के सभी बीचों को देखने में एक महीने से भी अधिक का वक्त लग जाएगा।

विदेशी सैलानियों की बहुतायत व लुभावने समुद्र तट का मस्त नजारा भारतीय पर्यटकों को भी सहसा गोआ आने को आमंतित करता है। नवविवाहितों के हनीमून के लिए भी गोआ एक बढ़िया स्थान है।

गोआ के कुछ प्रसिद्ध बीच दोला पाउला, कैलेंगुट, अंजुना, आरामबोल, कोलवा, मीरामार, वागाटोर, अगोंडा आदि हैं, जिनमें होकर मांडवी, चापोरा, जुआरी, साल, तालपोना और तीराकोल नामक छह नदियां बहती हैं।

अंजुना बीच

यह डबोलिन एयरपोर्ट से 57 किमी दूर स्थित है। यह गोआ के बड़े समुद्र तट में शुमार है। अंजुना बीच उत्तर, दक्षिण और मध्य तीन भागों में विभाजित है। इसके उत्तरी भाग में कई सारे बड़े, रेस्टोरेंट व होटल हैं। इस बीच पर एक बहुत बड़ा साप्ताहिक बाजार भी लगता है।

कैलेंगुट बीच

यह गोआ के समुद्र तट में सबसे खूबसूरत बीच है। डबोलिन एयरपोर्ट से इसकी दूरी 48 किमी है। यह गोआ पर्यटन का प्रमुख केंद्र है। यहां के तट नाइट डिस्को, रेस्टोरेंट व मार्केट पर्यटकों की पहली पसंद है। इस खूबसूरत बीच के आसपास बागा और कोडोंलिन दो अन्य समुद्र तट हैं। यह बीच तैराकी के लिए बहुत अच्छी जगह है। वाटर स्पोर्ट्स के लिए भी गोआ बहुत प्रसिद्ध है। गोआ के इन समुद्र तटों पर आप समुद्र की लहरों पर वाटर सर्फिंग, पैरासेलिंग, वाटर स्किडंग, स्कूबा डाइविंग, वाटर स्कूटर आदि का लुत्फ उठा सकते हैं।

मानसून में गोआ की खूबसूरती अपने चरम पर होती है। हरियाली की चादर ओढ़ने से यहां के समुद्रतटीय इलाके व सड़के और खूबसूरत हो जाती है और ऐसे में गोआ की सड़कों पर अपने हमसफर के साथ लांग ड्राइंग का मजा ही कुछ और होता है। आपको यहां बाइक आसानी से किराए पर मिल जाएंग, जिसकी सवारी करके आप गोआ के हसीन नजारों का आनंद उठा सकते हैं।

गोआ के प्रमुख शहर

पणजी

पणजी गोआ की राजधानी व एक प्रमुख पर्यटन स्थल भी है। यहां की संकरी गलियां और उनमें स्थित सुंदर चर्च पणजी को एक अलग ही खूबसूरती प्रदान करते हैं। यहां का चर्च ऑफ अवर लेडी डमेक्यूलेट, लार्गो दा इग्रजा, गोआ स्टेट म्यूजियम, जामा मस्जिद, दूधसागर फॉल, महालक्ष्मी मंदिर और मास्ती मंदिर पर्यटकों के प्रमुख आकर्षण का केंद्र है।

मपुसा

यह गोआ का एक प्रमुख तीसरा बड़ा शहर है। शुक्रवार को लगने वाला यहां का साप्ताहिक बाजार पर्यटकों के लिए खरीददारी का अच्छा स्थान है। यहां का पुराना हनुमान मंदिर, द चर्च ऑफ अवर लेडी मिरेकल, लार्ड बोधगेश्वर टेंपल, टोर्डा आदि प्रमुख दर्शनीय स्थल है।

मडगाँव

यह दक्षिणी गोआ का प्रमुख नगर है। यह गोआ का दूसरा बड़ा शहर तथा व्यावसायिक केंद्र है। यहां के मार्केट बहुत प्रसिद्ध है। यदि आप शॉपिंग के शौकीन है तो मडगाँव आपके लिए एक अच्छा स्थान है। यहां के पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र चर्च ऑफ होली स्पिरिट, हाऊस ऑफ सेवन गेबेल्स, कोल्वा बीच, एनसेस्ट्रल गोआ आदि है।

गोआ के ऐतिहासिक चर्च व खूबसूरत मंदिर

गोआ के ऐतिहासिक चर्च व खूबसूरत मंदिर भी पर्यटकों को गोआ में छुट्टियां बिताने को आमंत्रित करते हैं। गोआ के ऐतिहासिक चर्चों में सेंट फ्रांसिस, ऑफ असीसी, होली स्पिरिट, पिलर सेमिनरी, सालीगाँव, रकोल आदि चर्च है। इसके अतिरिक्त सेंट काजरन चर्च, सेंट आगस्टोन टॉवर, ननरी ऑफ सेंट मोनिका तथा सेंट ऐरक्स चर्च भी प्रसिद्ध है। गोआ के प्रसिद्ध मंदिरों में कामाक्षी, सप्तकेटेश्वर, श्री शांतादुर्ग, महालसा नारायणी, परनेम का भगवती मंदिर और महालक्ष्मी मंदिर आदि हैं।

गोआ के अभ्यारण

गोआ के कई संग्रहालय व अभ्यारण है। बोंडला अभ्यारण, कावल वन्य प्राणी अभ्यारण, कोटिजाओ वन्य प्राणी अभ्यारण आदि प्रमुख है। इसके अलावा गोआ का अगुडा किला भी प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक है।

कब जाएं

गोआ जाने का सबसे बेहतरीन समय अक्टूबर से मार्च तक का होता है। इस मौसम में यहां बहुतायत में पर्यटक आते हैं। जून से सितंबर तक यहां बहुत अधिक वर्षा होती है इसलिए इस मौसम में यहां पर्यटक कम ही आते हैं। ईसाइयों की बहुलता के कारण क्रिसमस के समय गोआ में बहुत सारे सांस्कृतिक आयोजन होते हैं, जिनका आनंद लेने के लिए पर्यटक इस समय विशेष तौर पर गोआ आते हैं।

कैसे पहुंचे

गोआ का निकटतम हवाईअड्डा डबोलिन हवाई अड्डा है, जो गोआ से लगभग 29 किमी दूर है। गोआ के लिए दिल्ली मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई से सीधी विमान सेवा उपलब्ध है। गोआ कोंकण रेलवे से जुड़ा है अतः ट्रेन से भी आप आसानी से गोआ पहुंच सकते हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा भी गोआ का सीधा संबंध मुंबई बेंगलुरु पुणे आदि शहरों से हैं।

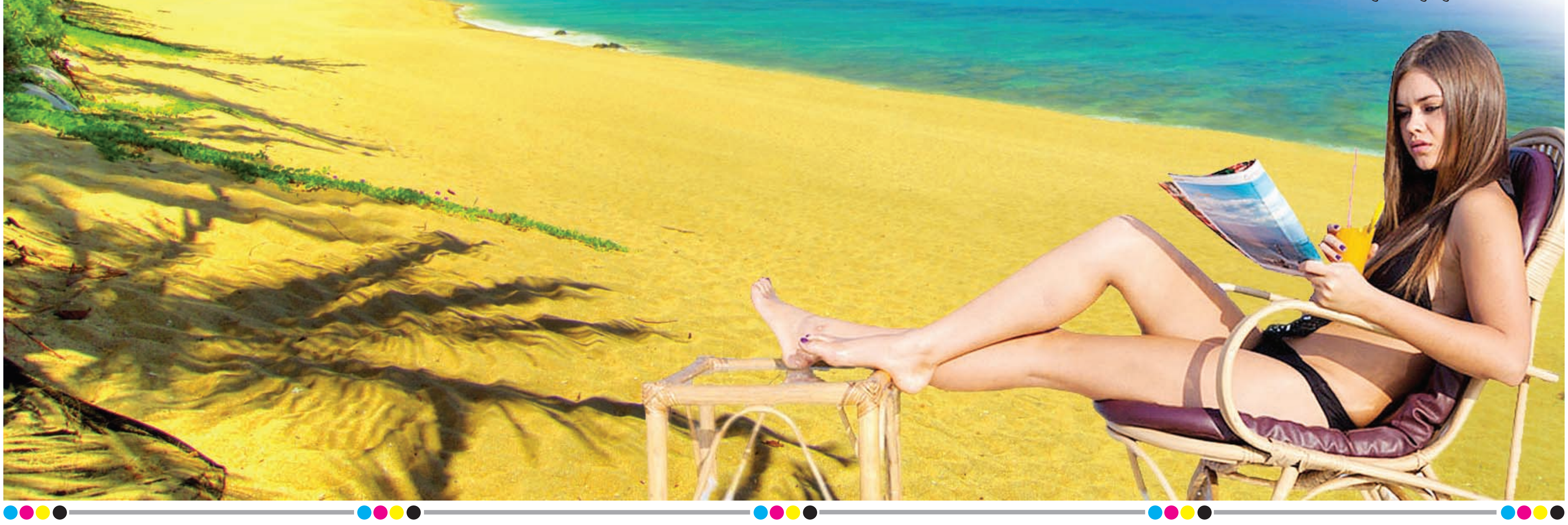

म्यांमार में कार दुर्घटना में छह लोगों की मौत

यांगून। म्यांमार के पूर्वी शान प्रांत में एक कार के पलट जाने से छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बुधवार को शान प्रांत के यातायात पुलिस अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना प्रांत के ख्वांगन टाउनशिप मंगलवार को हुई थी। अधिकारी ने बताया कि कार चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया जिससे कार पलट गयी। इस दुर्घटना में दो पुरुष और चार महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। एक बच्चा बालबाल बच गया और उसे मामूली चोट आयी है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है।

नेपाल में सड़क दुर्घटना में सात लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल के धादिंग जिले में बुधवार को यात्रियों से भरी बस के नदी में गिर जाने से सात लोगों की मौत हो गयी एवं 30 अन्य घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने बताया कि दुर्घटना उस समय हुई, जब राजधानी काठमांडू की ओर जा रही बस सड़क से उतरकर त्रिशुली नदी में गिर गयी। बचाव टीम ने पांच शव बरामद कर लिए और दो घायल लोगों ने इलाज के लिए ले जाते समय दम तोड़ दिया। जिले के पुलिस प्रमुख के सी गौतम ने बताया कि बस में 48 लोग सवार थे। पूछताछ में बस चालक ने खराब सड़क की स्थिति को दुर्घटना का कारण बताया। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

ताइवान की श्रम मंत्री ने भारतीय कामगारों के खिलाफ 'नस्ली' टिप्पणी को लेकर माफी मांगी

बीजिंग/ताइपे। ताइवान की श्रम मंत्री ह्सु मिंग चुन ने एक विशेष क्षेत्र के भारतीय कामगारों की भर्ती करने की अपनी सरकार की योजना को लेकर की गई अनुचित टिप्पणी के लिए माफी मांगी हैं। भारतीय कामगारों को लेकर उनकी 'नस्ली' टिप्पणी की कड़ी आलोचना हुई थी। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने हाल में एक बयान जारी कर बताया था कि भारत और ताइवान के लोगों के बीच के संबंधों को बढ़ावा देने और ताइवान के उद्योगों में श्रम बल की कमी को दूर करने के लिए द्वीपीय देश ने 16 फरवरी को भारत के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत भारतीय श्रमिकों की भर्ती की योजना है। ताइवान सेंटल न्यूज एजेंसी (सीएनए) ने मंगलवार को खबर दी थी कि भर्ती योजना की रूपरेखा पेश करते हुए श्रम मंत्री ने ताइवान के एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में कहा कि उनका मंत्रालय सबसे पहले पूर्वोत्तर भारत से कामगारों की भर्ती करेगा क्योंकि 'उनकी त्वचा का रंग और खान-पान की आदतें हमारे करीब हैं।' इसके साथ ही ह्सु ने कहा था कि वहां 'ज्यादातर लोग ईसाई' हैं जो विनिर्माण, निर्माण और खेती में माहिर हैं। खबर के मुताबिक ह्सु ने कहा कि भर्ती की रणनीति विदेश मंत्रालय के आकलन पर आधारित है। उनकी टिप्पणियों की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के सांसद चेन कुआन-टिंग ने तीखी आलोचना की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'ह्सु की टिप्पणी की कड़ी आलोचना करता हूं, त्वचा का रंग और नस्ल प्रवासी कामगारों की भर्ती का आधार नहीं होना चाहिए।' टिंग ने एक वीडियो पोस्ट में कहा, 'संसद सदस्य होने के नाते मैं कहना चाहता हूं कि ताइवान सभी वयक्ति को महत्व देता है भले ही वे किसी भी नस्ल, संस्कृति या धर्म के हों। मेरा मजबूती से मानना है कि सभी पृष्ठभूमि के लोग सम्मान के हकदार हैं और मैं इस सिद्धांत को ताइवान में कायम रखने को प्रतिबद्ध हूं।' संसदीय सुनवाई के दौरान मंगलवार सुबह ह्सु ने अपनी 'अनुचित' टिप्पणी के लिए माफी मांगी। सीएनए की खबर के मुताबिक उन्होंने कहा कि ताइवान की श्रम नीति चाहे वह स्थानीय कामगार के लिए हो या विदेशी कामगारों के लिए, समानता के आधार पर है और भेदभावपूर्ण नहीं है। ताइवान के श्रम मंत्रालय ने भी ह्सु की टिप्पणी को लेकर माफी मांगी और कहा कि मंत्री की टिप्पणी का अभिप्राय भेदभाव से नहीं था। ताइवान के विदेश मंत्रालय ने भी मंगलवार को एक बयान में भारतीय श्रमिकों की भर्ती के संबंध में ताइवान की सरकारी एजेंसियों की टिप्पणी के लिए माफी मांगी।

पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में आतंकवादी हमला, दो सैनिकों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को तलाशी अभियान के दौरान आतंकवादियों द्वारा अर्द्धसैनिक फ्रंटियर कोर के सैनिकों की टीम पर किए गए हमले में दो सैनिकों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि अर्द्धसैनिक बलों की टीम अफगानिस्तान से लगते बन्नू जिले की सपारी इलाके में तलाशी अभियान चला रही थी तभी पहाड़ी की चढ़ाई करने के दौरान आतंकवादियों ने उनपर हमला कर दिया। सूत्रों ने बताया कि आतंकवादी गोलीबारी करके फरार हो गए और इस घटना में दो सैनिकों की मौत हो गई जबकि एक घायल हो गया। मारे गए सैनिकों और घायल को बन्नू के सैन्य अस्पताल ले जाया गया है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंदापुर ने सुरक्षाबलों पर हमले की निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में सुरक्षा सेवाओं की सराहना की।

यूरोप में फैल रही पैरेट फीवर नाम की जानलेवा बीमारी

-अब तक 5 लोगों की मौत, 4 देशों में 81 मामले सामने आ चुके

नई दिल्ली। यूरोप के कई देशों में एक जानलेवा बीमारी फैल रही है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने इस बीमारी को पैरेट फीवर नाम दिया है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि ये बेहद खतरनाक है। इससे अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक पैरेट फीवर पक्षियों में पाए जाने वाले एक बैक्टीरिया की वजह से फैल रहा है। अगर इस बैक्टीरिया से संक्रमित पक्षी किसी इंसान को काट लेता है या उसके संपर्क में आता है तो वो शख्स बीमार पड़ जाता है। हालांकि यह बीमारी संक्रमित जानवरों को खाने से नहीं फैलती है। अमेरिकी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में डब्ल्यूएचओ के हवाले से लिखा है कि पैरेट फीवर को सिटाकोसिस के नाम से भी जाना जाता है। इसने यूरोपीय देशों में रहने वाले लोगों को बुरी तरह प्रभावित किया है। साल 2023 की शुरुआत में भी इस बीमारी से लोग संक्रमित हुए थे, लेकिन अब इससे लोगों की जान जाने लगी है।

डेनमार्क में 23 मामले सामने आए

डब्ल्यूएचओ के अनुसार ऑस्ट्रिया में 2023 में 14 मामलों की पुष्टि हुई थी, लेकिन इस साल अब तक मार्च में ही 4 मामले सामने आ चुके हैं। कुल मामले 18 हो गए। वहीं, डेनमार्क में 27 फरवरी तक 23 मामलों की पुष्टि हुई थी। जर्मनी में 2023 में 14 मामले सामने आए थे। इस साल अब तक 5 मामले सामने आए हैं। कुल 19 मामले हो गए हैं। अब तक 3 देशों में कुल 60 लोग पैरेट फीवर से संक्रमित पाए गए हैं। नीदरलैंड में भी 21 मामले सामने आए हैं। डब्ल्यूएचओ क ने कहा कि हाल ही मिले अधिकांश मामले पालतू या जंगली पक्षियों के संपर्क में आने से सामने आए हैं।

बीमारियां बढने की एक वजह क्लाइमेट चेंज

कई रिसर्च में सामने आया है कि जलवायु परिवर्तन से बीमारियां फैल रही हैं। निचली और गर्म जगहों पर रहने वाले जानवर बढ़ते तापमान को झेल नहीं पा रहे हैं इसलिए ऊंची और ठंडी जगहों की तरफ माइग्रेट हो रहे हैं। इनके साथ बीमारियां भी उन इलाकों तक पहुंच रही हैं, जहां पहले नहीं थीं। इंसानों ने डेवलपमेंट के नाम पर जंगलों को काटकर यहां घर और इंडस्ट्रीज बना लीं। इस कारण हमारा जानवरों, मच्छरों, बैक्टीरिया, फंगस से संपर्क बढ़ गया है। दूसरी तरफ ये सभी जीव-जंतु खुद को बदलती क्लाइमेट कंडीशन्स के अनुकूल बना रहे हैं और हमारे वातावरण में ही रह रहे हैं। इनसे कई बीमारियां फैल रही हैं, जो हमारे जीवन के लिए खतरनाक हैं। इंसान अपने जीवन के लिए कई जीवों पर निर्भर करते हैं। वो सर्वाइवल के लिए इन्हें खा लेते हैं। इससे होता ये है कि इंसान इन जीवों में पनपने वाले बैक्टीरिया या इनसे फैलने वाली बीमारियों के डायरेक्ट कॉन्टैक्ट में आ जाते हैं। इधर, बढ़ते तापमान का दंश झेलने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। हर साल करीब 2 करोड़ लोग जलवायु परिवर्तन के चलते विस्थापित होते हैं। ये सभी फैक्टर्स बीमारियों के फैलने के लिए उपयुक्त परिस्थितियां बना रहे हैं। पहले खत्म हुई और नई बीमारियां दोनों ही बढ़ती जा रही हैं। इससे डेथ रेट बढ़ रहे हैं।

फिनलैंड में कॉमबेट व्हीकल 90 के साथ अभ्यास करते हुए स्वीडन के सैनिक।

पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो के मामले में निष्पक्ष सुनवाई नहीं की गई : न्यायालय

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को 1979 में सैन्य शासन ने फांसी दी थी, लेकिन उनके मामले में निष्पक्ष सुनवाई नहीं की गई थी। मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के संस्थापक को दी गई मौत की सजा से संबंधित राष्ट्रपति के संदर्भ की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत की नौ सदस्यीय पीठ की सर्वसम्मति वाली इस राय की जानकारी दी। दरअसल पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने अपने ससुर भुट्टो को हत्या के एक मामले में उकसाने के लिए दोषी ठहराए जाने और 1979 में उन्हें दी गई फांसी की सजा मामले को दोबारा विचार के लिए 2011 को उच्चतम न्यायालय भेजा था, जिसके बाद न्यायालय ने यह फैसला सुनाया।

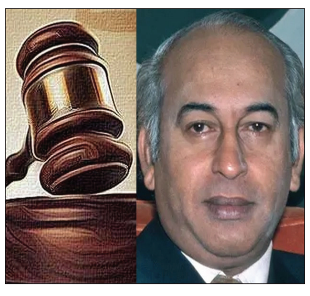

न्यायमूर्ति ईसा ने कहा, 'लाहौर उच्च न्यायालय की ओर से मामले की कार्यवाही और पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय की अपील संविधान के अनुच्छेद चार और नौ में निहित निष्पक्ष सुनवाई और उचित प्रक्रिया के मौलिक अधिकार से मेल नहीं खाती..।' शीर्ष अदालत ने हालांकि अपनी राय व्यक्त की, लेकिन कहा कि भुट्टो को सुनाई गई मौत की सजा को बदला नहीं जा सकता था क्योंकि इसकी इजाजत न तो संविधान देता और न ही कानून और इसलिए यह एक फैसले के तौर पर ही देखा जाएगा। उच्चतम न्यायालय इस पर अपनी विस्तार से राय बाद में जारी करेगा।

हमें भूखा रखा जा रहा.... जबरन जंग के लिए भेजा जा रहा

रुस में फंसे भारतीयों ने वीडियो जारी कर दर्द किया बया

मास्को (एजेंसी)। नेपाल के बाद यूक्रेन की जंग में फंसे भारतीय नागरिकों ने अपनी खौफनाक कहानी सुनाकर भारत सरकार से मदद मांगी है। ताजा मामले में 7 से ज्यादा भारतीयों के दल ने दो वीडियो जारी कर बताया किस तरह से उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है और जंग के मैदान में जबरन भेजा जा रहा है। इन भारतीयों की पहचान गगनदीप सिंह, लवप्रीत सिंह, नरैन सिंह, गुरप्रीत सिंह, गुरप्रीत सिंह, हर्ष कुमार और अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। इसमें से 5 भारतीय पंजाब और दो अन्य हरियाणा के हैं। यह लोग वे टूरिस्ट वीजा पर रूस गए थे और रूसी पुलिस ने 10 साल जेल भेजने की धमकी देकर उन्हें हेल्पर के रूप में यूक्रेन की जंग में भेज दिया।

एक भारतीय ने बताया कि, हमें यह बताया गया कि हमें केवल हेल्पर के रूप में काम करना होगा। लेकिन उन्होंने हमें हथियारों और गोला बारूद की ट्रेनिंग के लिए शामिल कर लिया। अब हमें यूक्रेन भेजने की तैयारी है। रूसी सैनिक हमें भूखा रख रहे हैं और हमारे फोन को भी छीन लिया है। यह वीडियो 3 मार्च का बताया जा रहा है। रूस में फंसे भारतीय नागरिक ने बताया कि कई बार गुहार लगाई है, लेकिन रूसी सेना उनकी गुहार को अनसुना कर दे रही है। उन्होंने कहा, रूसी सेना ने हमें बताया कि हम एक साल के बाद ही जा सकते हैं। वे हमसे कह रहे हैं कि मदद करो ताकि रूस युद्ध जीत सके।

वहीं एक अन्य भारतीय ने कहा कि हम भारतीय दूतावास और भारत सरकार से अनुरोध करते हैं कि वे हमारी मदद करें। यह हमारा अंतिम वीडियो हो सकता है। रूसी सेना हमें यूक्रेन में युद्ध क्षेत्र में भेजने की तैयारी में है। रिपोर्ट के मुताबिक करीब 100 भारतीयों को पिछले एक साल में रूसी सेना में शामिल किया गया है। इस बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा है कि उनके कड़े विरोध के बाद कई भारतीयों को रूसी सेना से हटाया गया है। भारत ने कहा कि करीब 20 भारतीयों ने भारतीय दूतावास से मदद मांगी है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि भारत सरकार रूस के साथ पूरे मामले को लेकर संपर्क में है। इतना ही नहीं भारतीय नागरिकों को वापस लाने के प्रयास हो रहे हैं। इस खुलासे के बाद पुतिन सरकार चौतरफा घिर गई है।

नेपाल में फिर सत्ता में आई चीन की पिछलग्गू सरकार....भारत के लिए चिंता

-पिछले काफी दिनों से चीन तख्तापलट में लगा हुआ था

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में 2022 के केंद्रीय चुनाव के बाद ये तीसरी बार सरकार बदली है, हर बार प्रचंड खुद को प्रधानमंत्री बनाए रखने में सफल हुए हैं। अब फिर से कम्युनिस्ट पार्टियां एक साथ आई हैं, बताया जा रहा हैं कि नेपाल की राजनीति में आया बदलाव भारत और चीन के लिए समीकरण बदलेगा।

नए समीकरणों में माओवादी नेता और प्रधानमंत्री पुष्प दहाल कमल प्रचंड की पार्टी माओवादी सेंटर ने पूर्व पीएम केपी ओली की पार्टी एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (यूएमएल) के साथ हाथ मिला लिया है। इसके साथ ही नेपाल की राजनीति में एक बार फिर कम्युनिस्ट पार्टियां एक साथ आ गई हैं। इसके पहले बीते साल फरवरी में प्रचंड और ओली की पार्टी ने गठबंधन तोड़ लिया था। नेपाल में इस नई राजनीतिक करवट को चीन के हित में देखा जा रहा है। वहीं भारत के लिए चिंता जाहिर की जा रही है। आखिर नेपाल की इस नई हलचल का भारत पर क्या असर होगा, दरअसल नेपाल की राजनीति में हुए बदलाव का मतलब है कि नेपाली संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस अब विपक्ष में बैठेगी। इसका भारत पर क्या असर होगा, यह समझने से पहले जरा नेपाल की राजनीति को समझना होगा। नेपाली कांग्रेस नेपाल की पुरानी राजनीतिक पार्टी है। नेपाल की सत्ता में इसका होना भारत के लिए अच्छा समझा जाता रहा है। वहीं, नेपाल में कम्युनिस्ट पार्टियों का एक साथ आना चीन के लिए अच्छा माना जाता है। चीन की कोशिश होती है कि नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टियों में एकजुटता बनी रहे। सूत्रों ने बताया कि प्रचंड और ओली के बीच मेक-अप कराने के पीछे चीन काफी दिनों से लगा हुआ था। खबरों से पता चलता है कि शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस और प्रचंड की माओवादी सेंटर के बीच पिछले कुछ हफ्तों से ठीक नहीं चल रहा था। हालांकि, इतनी जल्दी दोनों अलग हो जाएंगे ये उम्मीद नहीं थी। बीते सप्ताह नेपाली कांग्रेस की जनरल कमेटी की बैठक हुई थी, जिसमें पार्टी सदस्यों ने अकेले चुनाव लड़ने की बात कही थी। यही नहीं, बैठक में माओवादी युद्ध अत्याचारों की याद भी दिलाई गई। नेपाली कांग्रेस के कई नेताओं का ये भी मानना है कि सबसे बड़ी पार्टी होने के चलते उसे माओवादियों को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए। विश्लेषकों का मानना है कि कम्युनिस्ट पार्टियों के साथ आने से नेपाल की विदेश नीति नहीं बदलेगी लेकिन नई दिल्ली और बीजिंग में उसके प्रति धारणा जरूर बदलेगी। नेपाली कांग्रेस के सत्ता से बाहर होने और कम्युनिस्टों के वर्चस्व से भारत का चिंतित होना लाजमी है। कम्युनिस्ट पार्टियों के साथ आने से चीन का बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) नेपाल की प्राथमिकता में आ सकता है। इसके पहले नेपाली कांग्रेस और माओवादी सेंटर के साथ वाली सरकार पर ये आरोप लगता रहा था कि वे चीन के प्रोजेक्ट को जानबूझकर आगे नहीं बढ़ने दे रही है।

भारतवंशी निक्की 14 राज्यों में हारीं

वॉशिंगटन। अमेरिका में नवंबर 2024 में प्रेसिडेंशियल इलेक्शन यानी राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इसके पहले डेमोक्रैट और रिपब्लिकन पार्टियां अपने-अपने उम्मीदवारों का चुनाव कर रही हैं। तस्वीर निक्की हेली और ट्रम्प की है। अमेरिका में राष्ट्रपति कैंडिडेट चुनाव चल रहा है। इस इलेक्शन प्रोसेस में एक शब्द इस्तेमाल किया जाता है- सुपर ट्यूजडे। इसमें भारतीय समयानुसार आज 15 राज्यों में वोटिंग हुई। रिपब्लिकन पार्टी से डोनाल्ड ट्रम्प ने 14 राज्यों में जीत हासिल कर भारतवंशी निक्की हेली को हराया है। वहीं, डेमोक्रेटिक पार्टी से बाइडेन सभी 15 राज्यों में जीते हैं। इधर, बाइडेन का कहना है कि अगर ट्रम्प जीते तो वो अमेरिका को अंधकार और हिंसा में धकेल देंगे।

तीसरे विश्व यूद्ध की आहट: अमेरिका रूस पर कर सकता है हमला

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी रक्षा मंत्रालय का दावा है कि अमेरिका अपने सहयोगी देशों का एक सैन्य गठबंधन बनाकर रूस पर हमला कर सकता है। अमेरिका के नेतृत्व में जॉइंट ऑपरेशनल फोर्स रूस के अहम सैन्य ठिकानों पर ग्लोबल स्ट्राइक कर सकते हैं। अमेरिकी और पश्चिमी देशों के हमले में फाइटर जेट और अलग-अलग तरह की मिसाइलों के साथ रूस पर अचानक और ज़ोरदार हमला होगा। पश्चिमी सैन्य गठबंधन का लक्ष्य एक साथ किए गए हमले में रूसी ठिकानों को तबाह करने का होगा। रूस के रक्षा मंत्रालय ने एक ऐसा खुलासा किया है, जिससे पूरी दुनिया में सनसनी मच गई है। रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक़ दो साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध में जल्द ही सबसे खतरनाक मोड़ आने वाला है। रूस-यूक्रेन युद्ध में पश्चिमी देशों के हरसंभव मदद के बावजूद यूक्रेन पीछे हटने को मजबूर है। रूस को रोकने के लिए नाटो सहयोगियों की तरफ से अलग-अलग तरह के प्रस्ताव दिए जा रहे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां ने नाटो सैनिकों को यूक्रेन भेजने का प्रस्ताव दिया था। जर्मनी के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के हाल में लीक हुए आडियो के मुताबिक़ क्रीमिया पुल को उड़ाने के लिए जर्मनी में रणनीति बनाई जा रही थी। रूस का मानना है कि लगातार हो रही पराजय से अमेरिका एवं पश्चिमी देशों में बैचेनी है और ऐसे में एक सैन्य गठबंधन के नाम पर अमेरिका अपने कुछ सहयोगी देशों के साथ मिलकर रूस पर स्ट्राइक कर सकता है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के इस सैन्य रणनीति का खुलासा रूसी रक्षा मंत्रालय ने अपने आधिकारिक पत्रिका में किया है। रूसी रक्षा मामलों के जानकारों के मुताबिक़ रूस और नाटो की सीधी जंग से पहले इस तरह का एक बड़ा और सरप्राइज़ हमला होने की बहुत अधिक संभावना है।

चीन 60 करोड़ कैमरों से करेगा नागरिकों की जासूसी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन की सबसे खास बात ये है वहां सरकार के खिलाफ बोलने की अनुमति नहीं है। सरकार ने जो कानून लागू किया है उसे चुपचाप मानना ही पड़ेगा। इसलिए कहा जाता है कि चीन में लोकतंत्र नहीं है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग को हमेशा कुर्सी जाने का डर सताता है। इसलिए वे अपने अफसरों और नागरिकों की जासूसी कराने में ज्यादा विश्वास करते हैं। अब चांद से अपने नागरिकों की जासूसी की योजना तैयार की गई है। इसके लिए 60 करोड़ कैमरे लगाए जाएंगी।

चीन चंद्रमा से अपने लोगों की निगरानी की योजना बना रहा है। सर्विलांस का ये मून मिशन चीन की सत्ता को अगले पचास साल तक बनाए रखने के लिए किया जा रहा है। चीन का मून मिशन चांग-ई 2007 से चल रहा है और अब चीन ने मून मिशन का दायरा बढ़ा दिया है। मिली जानकारी के अनुसार, चीन के नागरिकों की अब चांद से जासूसी की जाएगी। इसके साथ ही ड्रैगन अपने दुश्मन देशों पर भी यहां से नजर रख सकता है। चीन पहले भी अपने नागरिकों की जासूसी करता था। चीन की राष्ट्रीय निगरानी प्रणाली ÷स्काईनेट प्रोजेक्ट के तहत देशभर में सार्वजनिक स्थानों पर 20 करोड़ से अधिक कैमरे तैनात हैं, जोकि 'लाइव निगरानी और रिकॉर्डिंग' करते हैं। यह दुनिया का सबसे बड़ा निगरानी

नेटवर्क है, इसे चीन की रक्षा करने वाली आंखें÷ कहा जाता है।

चीन के राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रशासन के वैज्ञानिकों ने कहा कि स्काईनेट को चंद्रमा पर ले जाने की चीन की योजना उसके प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन की दीर्घकालिक स्थिरता और सुरक्षा सुनिश्चित करने की इच्छा से उभरी है। चांद पर चीन का बेस डिज़्नीलैंड से भी बड़ा है, जोकि 3.7 मील में फैला है और इसमें एक कमांड सेंटर, एक पावर स्टेशन, एक संचार केंद्र, वैज्ञानिक सुविधाएं और रोबोटों का एक बेड़ा शामिल है. इसके पास रिमोट सेंसिंग, नेविगेशन और संचार के लिए अपने स्वयं के उपग्रह भी होंगे। चीन की तरफ से कहा गया है कि स्काईनेट प्रणाली एक प्राचीन चीनी कहावत में निहित है, जो सर्वव्यापी न्याय के सिद्धांत का प्रतीक है. इसमें कहा गया है कि कानून सर्वदर्शी है और गलत काम करने वालों को अंततः प्रतिशोध का सामना करना पड़ेगा। चीन की तरफ से कहा जाता है कि यह अपराधियों पर नजर रखने के लिए है, लेकिन शी जिनपिंग इसका उपयोग अपने खिलाफ उठने वाली आवाज को दबाने और अपने दुश्मनों पर नजर रखने के लिए करते हैं। चीन ने इस प्रोग्राम का नाम स्काईनेट दिया है और यह एआई-संचालित चिप्स से लैस होंगे। स्काईनेट में 60 करोड़ से अधिक कैमरों को यूज किया जाएगा। बताया जा रहा है कि हर व्यस्क चीनी नागरिक की निगरानी के लिए कम से कम दो कैमरे होंगे और यह देश के हर कोने को कवर करेगा। ये कैमरे (जिनमें से प्रत्येक का वजन केवल 100 ग्राम) एआई-संचालित चिप्स से लैस होंगे जो ÷संदिग्ध लक्ष्यों की स्वतंत्र रूप से पहचान करेंगे और उसको टॉरगेट करेंगे। बताया गया है कि कुछ भी संदिग्ध होने पर सिस्टम तुरंत अलार्म सिग्नल भेजा और उचित प्रतिक्रिया उपाय शुरू करेगा। हालांकि यह नहीं बताया गया है कि यह उपाय क्या होंगे।

प्राइमरी इलेक्शन में क्लीन स्वीप की ओर बढ़ रहे ट्रंप, बाइडेन से फिर होगा मुकाबला !

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वाशिंगटन(ईएमएस)।अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी-अपनी पार्टी की प्राइमरी में सुपर ट्यूजडे की जीत के साथ आगे चल रहे हैं। अमेरिकी मीडिया अनुमानों का हवाला देते हुए बताया कि अमेरिकी लेखिका मैरिएन विलियमसन और सांसद डीन फिलिप्स की चुनौती बखूबी सामना करते हुए बाइडेन ने अलबामा, मैसाचुसेट्स, मेन, उत्तरी कैरोलिना, ओक्लाहोमा, टेनेसी, वर्जीनिया और वर्मोंट की डेमोक्रेटिक प्राइमरी और आयोवा में पार्टी के कॉकस में जीत हासिल की है। इस बीच, ट्रम्प के दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर और संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत निक्की हेली को हराकर अलबामा, उत्तरी कैरोलिना, ओक्लाहोमा, टेनेसी और वर्जीनिया में रिपब्लिकन प्राइमरी मुकाबलों में जीत हासिल करने का अनुमान है। घनी आबादी वाले कैलिफ़ोर्निया और टेक्सास तथा अमेरिकी क्षेत्र अमेरिकन समोआ सहित 15 प्रांतों में मंगलवार को प्राइमरी चुनाव हुए। बता दें कि इस साल नवंबर में होने जा रहे राष्ट्रपति चुनाव से पहले प्राइमरी और कॉकस इलेक्शन के लिए सुपर ट्यूजडे सबसे बड़ा दिन है। इस दिन 16 राज्यों और एक टेरीटरी के वोटर्स राष्ट्रपति के लिए अपना पसंदीदा उम्मीदवार चुनते हैं। कुछ राज्यों में इसलिए भी वोटिंग की जाती है कि वे राज्य में अपना गवर्नर या सीनेटर चुन सकें। आमतौर पर सुपर ट्यूजडे चुनावी साल में मार्च के पहले मंगलवार को ही आता है।अमेरिका में इस साल होने जा रहे राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सियासी पारा चरम पर पहुंच गया है। पांच मार्च को सुपर टयूजडे के अहम दिन 16 राज्यों और एक यूएस टेरीटरी के वोटर्स ने अपने पसंदीदा राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए वोट किया। इस दौरान डेमोक्रेटिक की तरफ से जो बाइडेन और रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप ने बढ़त बना ली है। ये प्राइमरी चुनाव अलाबामा, अलास्का, अर्कांसस, कैलिफोर्निया, कोलोराडो, मेन, मैसाचुसेट्स, मिनेसोटा, नॉर्थ कैरोलिना, ओकलाहोमा, टेनेसी, टेक्सास, उटाह, वर्मोंट, वर्जीनिया और यूएस टेरीटरी समोआ में हो रहे हैं। राष्ट्रपति बाइडेन अभी तक घोषित चुनावी नतीजों में अलाबामा, मिनेसोटा, अर्कांसस, कोलोराडो, आयोवा, मेन, मैसाचुसेट्स, नॉर्थ कैरोलिना, ओकलाहोमा, टेनीसी, टेक्सास, वर्जीनिया और वर्मोंट में जीत गए हैं। वहीं, रिपब्लिकन पार्टी में राष्ट्रपति पद की दौड़ में सबसे आगे चल रहे डोनाल्ड ट्रंप को अब तक अलाबामा, अर्कांसस, टेनेसी, मिनेसोटा, कोलोराडो, मेन, मैसाचुसेट्स, नॉर्थ कैरोलिना, ओकलाहोमा, टेक्सास और वर्जीनिया में जीत हासिल की है। इससे ऐसा लग रहा है कि वह इस मुकाबले में अपनी प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली को हराकर बाइडेन का सामना करेंगे।

क्रांति समय

गुरुवार 07-मार्च-2024

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गाजियाबाद में ड्रग विभाग ने 1.10 करोड़ की नकली दवाइयां जब्त कीं, एक गिरफ्तार

गाजियाबाद । यूपी के गाजियाबाद में मंगलवार को नकली दवाइयों की एक फैक्ट्री पकड़ी गई है। यहां से ड्रग डिपार्टमेंट ने एक करोड़ 10 लाख की नकली दवाइयां जब्त की हैं। ये नकली दवाइयां कई नामी कंपनियों के नाम से पैक करके बेची जा रही थीं। यह कार्रवाई गाजियाबाद के राजेंद्र नगर और भोपुरा इलाके में हुई है जहां पर ड्रग विभाग ने छापा मारकर नकली दवाइयां का जखीरा बरामद किया है। इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। इस फैक्ट्री को लेकर पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। ड्रग विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक एक सूचना के आधार पर ड्रग डिपार्टमेंट ने गाजियाबाद के दो अलग-अलग इलाकों में छापेमारी की। छापेमारी में 1 करोड़ 10 लाख रुपये की नकली दवाइयां मिली हैं। बताया जा रहा है कि नामी कंपनी के नाम से नकली दवाएं पैक कर बेची जा रही थीं। यह मामला गाजियाबाद के राजेंद्र नगर और भोपुरा इलाके का है। ड्रग विभाग की इस रेड में पकड़ी गईं ज्यादातर दवाइयां शुगर और गैस की हैं। छापेमारी के दौरान पैकेजिंग मशीन और नकली दवाइयां बरामद की गई हैं। ड्रग विभाग ने 14 दवाइयों के सैंपल लिए हैं। ड्रग विभाग ने साहिबाबाद थाने में फैक्ट्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इस मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने चलाया बुलडोजर, 60 हजार वर्ग मीटर जमीन से हटाया अवैध अतिक्रमण

ग्रेटर नोएडा । ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्राम खेड़ा चौगानपुर की अधिसूचित और बिसरख की अधिग्रहित जमीन पर बन रहे अवैध निर्माण को तोड़ दिया। प्राधिकरण की टीम ने करीब 60 हजार वर्ग मीटर जमीन मुक्त कराई है, जिसकी कीमत करीब 120 करोड़ रुपये होने का आंकलन है। गांव खेड़ा चौगानपुर प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में है। कुछ कॉलोनाइजर गांव के खसरा नंबर 225 और 229 की जमीन पर अवैध निर्माण कर कॉलोनी काट रहे थे। टीम स्थानीय सुरक्षाकर्मियों के साथ अवैध निर्माण को ढहा दिया। टीम ने करीब 40 हजार वर्ग मीटर जमीन मुक्त करा लिया है। 5 जेसीबी और एक डंपर का इस्तेमाल कर यह कार्रवाई की गई। इसी तरह बिसरख के खसरा नंबर 676, 698 और 699 की 20 हजार वर्ग मीटर जमीन को भी अतिक्रमण से मुक्त कराते हुए प्राधिकरण ने कब्जे में ले ली है। यह प्राधिकरण की अधिग्रहित और कब्जा प्राप्त जमीन है। इसके साथ ही बिसरख में ही खसरा नंबर 639 और 640 की जमीन पर अतिक्रमण शीघ्र हटाने के कड़ी चेतावनी दी गई है। ओएसडी ने चेतावनी दी है कि प्राधिकरण की अधिसूचित एरिया में जमीन कब्जाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मणिपुर में बस गए 1853 अवैध गांव

इंफाल। म्यांमर से आकर मणिपुर में 15000 से ज्यादा लोगअवैध रूप से बस गए हैं। इन लोगों ने 1853 अवैध गांव बसा लिए हैं। जहां पर म्यांमर से आए हुए 15000 से ज्यादा लोग रह रहे हैं। मणिपुर के 5 जिलों में यह अवैध गांव हैं। जिसके कारण मणिपुर की सारी व्यवस्थाएं बिगड़ गई हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने हालांकि सटीक संख्या नहीं बताई है। लेकिन राजस्व विभाग द्वारा जो सर्वे किया गया है। उसमें 2006 के बाद से लेकर अभी तक 1853 अवैध आबादी वाले गांव मिले हैं। यह गांव सड़क से 5 किलोमीटर तक की दूरी पर जंगल में बसे हुए हैं। पिछले 1 साल से मणिपुर में हिंसा भड़की है। मणिपुर के चुराचांदपुर,टेंप नो कांगपोकपी,पोखराल और चांदेल जिलों में यह आबादी रह रही है। हाल ही में गृह मंत्रालय ने म्यांमार से सटे बॉर्डर पर फेंसिंग का काम शुरू किया है। सीमा पर 10 किलोमीटर से ज्यादा फेंसिंग लगाई जा चुकी है। म्यांमार और बांग्लादेश के बीच में आंतरिक अशांति के चलते मणिपुर में अवैध रूप से आकर रहने वालों की संख्या चिंता जनक रूप से बड़ी है। मणिपुर की कानून व्यवस्था में भी इसका असर देखने को मिल रहा है।

विदेश में बढ़ रहा है भारतीयों का निवेश, भारतीयों के लिए दुबई पहली पसंद

मुंबई । भारतीय अमीर विदेश में भारी निवेश कर रहे हैं। 4 साल में भारतीयों का निवेश दोगुना बढ़ गया है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022-23 में 2 लाख करोड रुपए, विदेश में निवेश किए गए हैं। भारतीय निवेशकों द्वारा 1.56 लाख करोड रुपए का निवेश संपत्ति खरीदने के लिए किया गया है। यूरोप के जिन देशों में भारत से निवेश किया गया है। उनमें ग्रीस, साइप्रस, माल्टा,स्पेन, यूएई और कतर शामिल हैं।

दुबई सबसे पसंदीदा, मुंबई से सस्ती प्रॉपर्टी दुबई में

भारतीय अमीरों द्वारा दुबई की संपत्ति में सबसे ज्यादा निवेश किया जा रहा है। दुबई में गोल्डन वीजा जैसे इमीग्रेशन प्रोग्राम तथा संपत्ति खरीदने मे भारतीय अमीरों की रुचि,पिछले वर्षों में तेजी के साथ बढ़ी है। भारत की तुलना में कम कीमत पर दुबई में संपत्ति मिल रही है। जिसके कारण भारत की धन्नासेठ दुबई में निवेश कर रहे हैं। मुंबई मे अंधेरी के प्राइम लोकेशन पर जमीन का भाव 38000 से 45000 रुपए प्रति वर्ग फुट है। वही दुबई के शारजाह और अबू धाबी जैसे इलाकों के प्राइम लोकेशन में 25000 से 35000 वर्ग फुट में जमीन आसानी से जमीन उपलब्ध हो जाती है। दुबई में संपत्ति का किराया भी मुंबई की तुलना में ज्यादा है। दो नंबर का पैसा भी दुबई में आसानी के साथ खप जाता है। भारत जैसे नियम कानून और टैक्स दुबई में नहीं है। जिसके कारण भारतीय निवेशक दुबई में सबसे ज्यादा निवेश कर रहे हैं। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश में संपत्तियां 2 से 8 करोड रुपए में अच्छे लोकेशन पर मिल जाती हैं। किराया भी वहां का अच्छा है। विदेश में निवेश करने से कई अन्य सुविधाएं भी उस देश की मिल जाती हैं। इसलिए विदेश में भारतीयों का निवेश लगातार बढ़ता जा रहा है।

बर्फबारी में तीन दिनों से फंसे 15 पर्यटकों को सुरक्षित निकाला

देहरादून/चोपता(चपाता) । उत्तराखंड में पहाड़ों पर बर्फबारी से जहां कई रास्ते बंद हो गए और ठंड बढ़ गई तो मैदानी इलाकों में बारिश और ओले गिरने से किसानों की फसल बर्बाद हो गई। एसडीआरएफ ने जनपद रुद्रप्रयाग में चोपता सड़क मार्ग पर पेड़ गिरने के कारण अवरुद्ध मार्ग को सुचारु करते हुए 15 सदस्यीय पर्यटक दल को रेस्क्यू किया है। मंगलवार को उखीमठ पुलिस ने एसडीआरएफ टीम को सूचित किया कि चोपता मार्ग पर ज्यादा बर्फ पड़ गई है, जिस कारण 15 सदस्यीय पर्यटक दल फंस गया है। बता दें कि कुछ दिनों से मौसम लगातार खराब चल रहा है। पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानी इलाकों में बारिश और ओले गिरे, जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बर्फबारी के कारण चोपता में 15 पर्यटक फंसे हुए थे, जिन्हें मंगलवार को एसडीआरएफ ने सुरक्षित निकाला।

पाकिस्तान दिल्ली में मनाएगा अपना नेशनल डे

नई दिल्ली। पाकिस्तान इस साल अपना नेशनल डे नई दिल्ली में मनाने जा रहा है। इस दिन दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यक्रम किए जाएंगे। ये चार साल में पहली बार है, जब पाकिस्तान अपना नेशनल डे दिल्ली में मनाएगा। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाए जाने के बाद पाकिस्तान ने अपना राजदूत वापस बुला लिया था। पाकिस्तान का नेशनल डे 23 मार्च को पड़ता है। ये वही तारीख है जब आजादी से पहले लाहौर में पाकिस्तान बनाने का प्रस्ताव रखा गया था। 1940 में मुस्लिम लीग ने मुस्लिमों के लिए अलग मुल्क की मांग करते हुए एक प्रस्ताव रखा था। 1940 में 22 से 24 मार्च के लाहौर में मुस्लिम लीग का सेशन हुआ था। इसी सेशन में पूरी तरह स्वायत्त और संप्रभु मुस्लिम मुल्क बनाने का प्रस्ताव रखा गया था। इस प्रस्ताव में पाकिस्तान का जिक्र नहीं था। लेकिन बाद में जब पाकिस्तान बन गया तो इसे पाकिस्तान प्रस्ताव भी कहा जाने लगा।इस प्रस्ताव में अलग मुल्क या पाकिस्तान का कहीं भी जिक्र नहीं था। इसमें मुस्लिम बहुल इलाकों के लिए स्वायत्तता की मांग की गई थी। इसमें लिखा था, भौगोलिक दृष्टि से सटी हुई ईकाइयों को क्षेत्रों के रूप में चिह्नित किया जाए, जिन्हें बनाने में जरूरत के हिसाब से इलाकों का फिर से ऐसा समायोजन किया जाए कि हिंदुस्तान का उत्तर-पश्चिम और पूर्वी क्षेत्रों जैसे जिन हिस्सों में मुसलमानों की संख्या ज्यादा है, उन्हें इकट्ठा करके स्वतंत्र राज्य बना दिया जाए। इनमें शामिल ईकाइयां स्वाधीन और स्वायत्त होंगी। इतना ही नहीं, 23 मार्च 1956 को ही पाकिस्तान का संविधान भी लागू हुआ था। इसी दिन पाकिस्तान ने खुद को इस्लामिक मुल्क घोषित किया था।

पीएम को लेकर लालू ने दिया बयान, तेजस्वी की सारी मेहनत पर फेर देगा पानी

बिहार में जेडीयू लालू की परिवारवादी राजनीति पर हमलावार

पटना (एजेंसी)। चुनावी साल में पीएम नरेंद्र मोदी पर आरजेडी सुप्रीमो और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव ने तीन मार्च को अपनी पार्टी की रैली में व्यक्तिगत हमला किया। रैली में लालू ने कहा कि मोदी ने अपनी मां के निधन पर मुंडन नहीं कराया। इसकारण वे हिन्दू नहीं हैं। उनकी दूसरी टिप्पणी थी कि मोदी की कोई संतान नहीं है। इसलिए वे परिवारवादी पार्टी का आरोप आरजेडी पर लगाते हैं। कांग्रेस के नेता पीएम मोदी के बारे ऐसी-ऐसी टिप्पणी कर इसका खामियाजा उठा चुके है।

गुजरात दंगों के संदर्भ में कांग्रेस की तत्कालीन अध्यक्ष सोनिया गांधी ने नरेंद्र मोदी के बारे में कहा था कि वे मौत के सौदागर हैं। राहुल गांधी कैंब्रिज में भाषण कर आए कि मोदी देश को बर्बाद कर रहे हैं। भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच के दौरान भारत की हार पर राहुल गांधी ने मोदी के लिए पनौती शब्द का इस्तेमाल किया था। 2019 के आम चुनाव के दौरान राहुल गांधी का नरेंद्र मोदी के बारे में 'चौकीदार चोर है' वाला बयान भी काफी चर्चा में रहा था।

हालांकि भाजपा विरोधी दलों के नेताओं के पीएम मोदी को लेकर दिए बयान उनके सिर पर भी उल्टे असर डालते रहे हैं। कांग्रेस की आज जो दुर्गति है, उसके पीछे सबसे बड़ा कारण नरेंद्र मोदी के खिलाफ उनके बयान ज्यादा जिम्मेदार रहे हैं। चौकीदार चोर है वाला राहुल का बयान पीएम मोदी ने इसतरह से पलटा कि उनके समर्थकों ने अपने को मैं भी चौकीदार का अभियान छेड़ दिया। इसतरह मोदी के परिवार वाले लालू के बयान की काट भाजपा नेताओं ने निकाल ली है। मोदी जहां खुद को देश की 140 करोड़ जनता को अपना परिवार बता रहे हैं, वहीं भाजपा नेताओं ने अपने को मोदी का परिवार का बताना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया प्रोफाइल में मोदी का परिवार जोड़ कर सबने लालू के आरोप की हवा निकालनी शुरू कर दी है। इतना ही नहीं बिहार में जेडीयू ने भी अपने ढंग से मुद्दे को हवा दे दी है। अब बिहार में जेडीयू ने वीडियो में नीतीश पूरे बिहार को अपना परिवार बता रहे हैं। वे कह रहे हैं, पूरा बिहार हमारा परिवार। कर्पूरी ठाकुर का उदाहरण देकर परिवारवादी राजनीति की नीतीश आलोचना कर रहे हैं। वीडियो में नीतीश कह रहे हैं, जननायक कर्पूरी ठाकुर कभी अपने परिवार को आगे नहीं बढ़ाया। एक ही बात जान लीजिए, जननायक कर्पूरी ठाकुर से सीख कर हमने भी किसी अपने परिवार को आगे नहीं बढ़ाया। हम और लोगों को बढ़ावा देते हैं।

अलर्ट मिलते ही पुलिस ने किसानों को रोकने के लिए किए बंदोबश्त

नई दिल्ली। दिल्ली की सीमाओं पर धरना देने वाले किसानों ने सुरक्षा बलों की नाक में दम कर रखा है। स्पेशल ब्रांच को इनपुट मिला था कि प्रदर्शनकारी किसान बस, कार और छोटी गाड़ियों से दिल्ली में घुस सकते हैं। प्रदर्शनकारी किसान छोटे-छोटे समूह में बस-कारों से दिल्ली में दाखिल होने की कोशिश कर सकते हैं। बता दें कि किसानों ने घोषणा की है कि वे बुधवार को प्रदर्शन के लिए दिल्ली पहुंचेंगे। यही वजह है कि दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी की टिकरी, सिंघू और गाजीपुर सीमाओं और रेलवे और मेट्रो स्टेशनों एवं बस अड्डों पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने का अपने कर्मियों की संख्या बढ़ा दी है और खास निर्देश दिया है। दिल्ली पुलिस की सुरक्षा कश्मीरी गेट बस स्टैंड, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, आनंद विहार रेलवे स्टेशन, हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन और सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन समेत सभी बस अड्डों में लगाई गई है। फिलहाल, स्पेशल ब्रांच के इस अलर्ट के बाद दिल्ली के तमाम बॉर्डर्स, बस, रेलवे और दिल्ली मेट्रो पर दिल्ली पुलिस की पैनी नजर है। साथ ही नई दिल्ली और दिल्ली के बॉर्डर्स पर भीड़ इक्कठी न हो उसके लिए पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। बता दें कि किसान आंदोलन का नेतृत्व करने वाले संगठनों- किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) ने तीन मार्च को देश भर के किसानों से बुधवार को दिल्ली पहुंचने का आह्वान किया था। बता दें कि प्रदर्शनकारियों द्वारा बुधवार को दिल्ली कूच के आव्हान को देखते हुए स्पेशल ब्रांच ने दिल्ली पुलिस को यह अलर्ट भेजा है, जिसमें स्पेशल ब्रांच ने आशंका जताई है कि प्रदर्शनकारी दिल्ली में छोटी गाड़ियो के जरिए दाखिल होने की कोशिश करेंगे। इसके लिए प्रदर्शनकारी दिल्ली के सटे गांव और गलियों का सहारा ले सकते हैं। स्पेशल ब्रांच के अलर्ट में ये भी कहा गया है कि ये प्रदर्शनकारी नई दिल्ली, जिसे लुटियन दिल्ली कहा जाता है, वहां इक्कठा होकर प्रोटेस्ट करना चाहते हैं।

इसरो का फूलप्रूफ प्लान, कहा होगी मॉड्यूल की वापसी बस तय

गगनयान मिशन को लेकर इतिहास बनने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन 2025 में गगनयान मिशन के तहत चार एस्ट्रोनॉट्स को अंतरिक्ष में भेजकर नया कीर्तिमान बनने वाला है। इसकारण अभी इस मिशन के लिए चुने गए चारों अंतरिक्ष यात्री उड़ान अभ्यास और योग के अलावा सिमुलेटर, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में रहने के अभ्यास सहित कड़े प्रशिक्षण से गुजर रहे हैं। इस बीच इसरो ने गगनयान मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों और मॉड्यूल की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने लिए एक दो नहीं, बल्कि पूरे 48 बैकअप साइटों की पहचान की है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक इसरो का प्लान है कि गगनयान मिशन के मॉड्यूल की संभावित वापसी अरब सागर में हो, जहां भारतीय एजेंसियों को चालक दल और मॉड्यूल की सुरक्षित लैंडिंग के लिए रखा जाएगा। हालांकि, अगर प्लान के अनुसार चीजें नहीं होती हैं, और अंतरिक्ष यात्रियों की सफल लैंडिंग में बदलाव की जरूरत पड़ती है, तब इसके लिए भी इसरो की टीम तैयार है। इसके लिए इसरो ने अंतरराष्ट्रीय जल में 48 बैकअप स्थानों की पहचान की है, जहां गगनयान मिशन के यात्रियों की सुरक्षित लैंडिंग हो सके। इसरो के सीनियर अधिकारी ने कहा कि गगनयान मिशन के मामले में अगर सब कुछ योजना के अनुसार होता है, तब मॉड्यूल की लैंडिंग भारतीय जल में ही होगी। बता दें कि गगनयान मॉड्यूल की लैंडिंग के साथ ही चारों अंतरिक्ष यात्री वापस धरती पर आ जाएंगे।

हालांकि इसरो अधिकारी ने कहा, चूंकि गगनयान मिशन में मानव अंतरिक्ष उड़ान शामिल है, इसकारण जब चालक दल की सुरक्षा की बात होती है, तब कोई जोखिम नहीं ले सकते है। इसलिए इसरो ने संभावित बिंदुओं को चिह्नित किया है, जहां कैप्सूल यानी कि अंतरिक्षयात्री वाला मॉड्यूल उतर सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि मिशन में जरा भी बदलाव मॉड्यूल की लैंडिंग को सैकड़ों किलोमीटर दूर कर सकता है।

बता दें कि इसरो द्वारा 2025 में गगनयान मिशन के तहत पृथ्वी की कक्षा में भेजने के लिए चुने गए अंतरिक्ष यात्री उड़ान अभ्यास और योग के अलावा सिमुलेटर, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में रहने के अभ्यास सहित कड़े प्रशिक्षण से गुजर रहे हैं। इसरो का संबंधित प्रशिक्षण प्रतिष्ठान भारतीय वायुसेना के पायलटों-ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, ग्रुप कैप्टन अजीत कृष्णन, ग्रुप कैप्टन अंगद प्रताप और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला के लिए ऐसी गतिविधियों का केंद्र है। इसरो के अधिकारी ने कहा, उन्हें एयरो-मेडिकल, स्थिति से निपटने और विपरीत परिस्थितियों में जीवित रहने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मथुरा के लोगों में जिज्ञासा, हेमा के खिलाफ कौन होगा इंडिया गठबंधन का उम्मीदद्वार

-जाट किसान नेता पर दाव खेल सकता हैं इंडिया गठबंधन

मथुरा (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने तीसरी बार ड्रीम गर्ल्स हेमा मालिनी पर दाव चल दिया है। भाजपा ने मथुरा की सांसद हेमा को तीसरी बार चुनावी मैदान में उतार दिया है। हेमा को मैदान में देख गठबंधन के नेताओं के सामने परेशानी खड़ी हो सकती हैं। अब देखना होगा कि गठबंधन किस प्रत्याशी को हेमा मालिनी के सामने लाता है।

लोगों की जिज्ञासा इस बात में है कि इंडिया गठबंधन की ओर से कांग्रेस का प्रत्याशी कौन होगा? ब्रज से होगा या ब्रज से बाहर का होगा? किसान वर्ग से होगा या फिर कोई धन कुबेर? इन तमाम सवालों को लेकर जनता और राजनीतिक पंडित अपने-अपने कयास लगाने में व्यस्त हैं। सूत्रों की मानें तब मथुरा से इंडिया गठबंधन का संभावित जाट प्रत्याशी बड़ा किसान नेता है। वजह मथुरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी जाट बाहुल्य लोकसभा सीट है।

मथुरा में चौधरी चरण के अनुयायियों के रूप में किसानों की एक बड़ी संख्या है। एमएसपी की मांग को लेकर ब्रज के जाट भाजपा सरकार के किसान विरोधी चरित्र को लेकर नाराज हैं। चर्चा है कि चौधरी चरण सिंह के अनुयायी यहां के जाट जयंत के एनडीए में जाने से नाराज हैं। आरएलडी के नेताओं का मानना है कि किसान आंदोलन के बीच में जयंत के एनडीए में जाने से चौधरी चरण सिंह के राजनीतिक आदर्श के प्रतिकूल है। यही वजह है कि कांग्रेस के रणनीतिकारों की मान्यता है कि किसान आंदोलन को चुनावी एजेंडा के केन्द्र में रखा जाए।

हूतियों के ड्रोन हमले से जहाज में लगी आग, इंडियन नेवी ने बचाई सभी की जान

-नौसेना प्रमुख एडमिरल ने हूती विद्रोहियों को दी चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना ने अदन की खाड़ी में ड्रोन हमले की चपेट में आए लाइबेरिया के ध्वज वाले वाणिज्यिक पोत की सहायता की। नौसेना की ओर से यह जानकारी दी गई। हूती विद्रोहियों द्वारा लाल सागर में विभिन्न वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच यह नई घटना सामने आई। पिछले कुछ हफ्तों में भारतीय नौसेना ने पश्चिमी हिंद महासागर में कई वाणिज्यिक पोत पर हुए हमलों के बाद उन्हें सहायता दी है। नौसेना ने पोस्ट मेंबताया कि अदन से लगभग 90 समुद्री मील दक्षिण पूर्व में एक लाइबेरियाई झंडे वाले जहाज पर ड्रोन/मिसाइल हमला हुआ। हमले के कारण जहाज में आग लग गई। इसके बाद नौसेना ने घटना पर त्वरित प्रतिक्रिया दी। क्षेत्र में नौवहन सुरक्षा अभियान में तैनात आईएनएस कोलकाता घटनास्थल पर पहुंच गया। जहाज के 12 कर्मियों की एक विशेष अग्निशमन टीम आग बुझाने के प्रयासों में सहायता के लिए 5 मार्च की सुबह जहाज पर सवार हुई।

आईएनएस कोलकाता के प्रयासों से आग को बुझाया गया और जहाज को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। जहाज के चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। भारतीय नौसेना ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि यह समुद्री सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। नौसेना ने कहा कि वह इस घटना की जांच कर रही है और दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी। यह घटना फिर से समुद्री सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करती है। भारतीय नौसेना क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं घटना पर नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने कहा कि हूती लाल सागर में ड्रोन और मिसाइलों से इजराइल, अमेरिका या ब्रिटेन के कारोबारी जहाजों को निशाना बना रहे हैं और स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। एडमिरल ने कहा कि भारतीय नौसेना मुख्य रूप से भारतीय-ध्वजांकित जहाजों और सहायता चाहने वाले अन्य जहाजों को आवश्यक सुरक्षा प्रदान कर रही है। नौसेना प्रमुख ने पणजी के पास नौसेना समर महाविद्यालय के नए प्रशासनिक भवन के उद्घाटन के मौके पर कहा कि भारतीय नौसेना लाल सागर और हिंद महासागर क्षेत्र के बीच आवाजाही में सभी व्यापारिक जहाजों की मदद कर रही है।

अमेठी से उम्मीदवार घोषित करने में देरी पर स्मृति ईरानी का तंज, बोलीं- यह कांग्रेस की हार का संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेठी से मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी ने बुधवार को कहा कि उन्हें नहीं पता कि 2024 के चुनाव में कांग्रेस इस सीट से किसे मैदान में उतारेगी लेकिन देरी ही पार्टी के लिए हार का संकेत है। स्मृति ईरानी का बयान उन तीव्र अटकलों के बीच आया है कि कांग्रेस 2019 की हार के बाद एक बार फिर इस सीट के लिए राहुल गांधी को दोहराएगी। उन्होंने कांग्रेस पर तंज भरे लहजे में कहा कि यह अजीब है क्योंकि पहली बार पार्टी को अमेठी से उम्मीदवार के नाम की घोषणा करने में इतना समय लग रहा है। अमेठी से उम्मीदवार घोषित करने से पहले काफी मंथन किया जा रहा है। ये ही हार का संकेत है।

इससे पहले ईरानी ने सोमवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए (संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन) के 10 साल के शासन की तुलना पर बहस की चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मैदान चुन सकते हैं जबकि भाजपा बहस के लिए एक पार्टी कार्यकर्ता का चयन करेगी। उन्होंने नागपुर में हुंकार भरते हुए कहा कि अगर मेरी आवाज राहुल गांधी तक पहुंच रही है तो उन्हें कान खोलकर सुन लेना चाहिए। 10 साल का शासन किसका रहा, इस पर बहस हो जाए बेहतर था। मैदान तुम चुनो, कार्यकर्ता हम चुनेंगे।

वहीं, खबर यह है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस के एक नेता ने बुधवार को कहा कि राहुल गांधी आगामी लोकसभा चुनाव अमेठी से लड़ेंगे, जिस निर्वाचन क्षेत्र का उन्होंने पहले 2002 से कई बार प्रतिनिधित्व किया है। हाल ही में दिल्ली में एक बैठक से लौटे कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने पुष्टि की कि राहुल गांधी अमेठी से पार्टी के उम्मीदवार होंगे। उन्होंने कहा कि गांधी के नाम की आधिकारिक घोषणा जल्द ही की जाएगी। 1967 में उत्तर प्रदेश के गठन के बाद से ही अमेठी कांग्रेस पार्टी का गढ़ रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के छोटे बेटे संजय गांधी ने 1977 में पहली बार अमेठी से चुनाव लड़ा था, लेकिन आपातकाल के खिलाफ देशव्यापी प्रतिक्रिया के कारण उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

भाजपा विधायक के भतीजे की गोली मारकर हत्या

कटिहार । बिहार के कटिहार शहर में भाजपा विधायक कविता पासवान के भतीजे नीरज पासवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक नीरज आपराधिक छवि थी और वह पूर्व मेयर शिवराज पासवान हत्याकांड में आरोपी था जो कि हाल ही में जेल से छूटकर बाहर निकाला था। इस मामले में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। हत्या की इस घटना से पूरे शहर में हड़कंप मच गया है। घटना कटिहार शहर के नगर थाना क्षेत्र के संग्राम संघ ड्राइवर टोला के पास की है। जानकारी के मुताबिक हत्या की इस घटना के मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मृतक नीरज पासवान की भी आपराधिक छवि थी और वह पूर्व मेयर शिवराज पासवान हत्याकांड में आरोपी था जो कि हाल ही में जेल से छूटकर बाहर निकाला था। इस मामले में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। हत्या की इस घटना से पूरे शहर में हड़कंप मच गया है।

17 मार्च को मुंबई के धारावी पहुंच....अडानी के खिलाफ मोर्चा खोल सकते हैं राहुल गांधी

-धारावी रीडिवेलपमेंट का ठेका अडानी समूह को देने से कांग्रेस नाराज

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 17 मार्च को मुंबई में सभा की तैयारी चल रही है। कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 16 मार्च को अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ मुंबई पहुंच रहे हैं। 16 मार्च को ठाणे के एलबीएस मार्ग से होते हुए मुंबई में प्रवेश करने और दादर स्थित चैत्य भूमि पहुंच कर राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का समापन होगा।

इस दौरान यात्रा में राहुल गांधी धारावी से भी गुजरने वाले है। बता दें कि धारावी के रीडिवेलपमेंट का ठेका अडाणी ग्रुप के पास है और राहुल गांधी अडाणी ग्रुप के खिलाफ लगातार आवाज उठाते रहे हैं। राहुल को धारावी में ले जाने के पीछे कांग्रेस की रणनीति यह भी है कि सबसे पहले राजीव गांधी ने 1985 में प्रधानमंत्री अनुदान परियोजना के तहत 100 करोड़ रुपये देकर मुंबई में झोपड़पट्टी पुनर्विकास परियोजना की शुरुआत की थी। तब 100 करोड़ रुपये के फंड का एक तिहाई हिस्सा धारावी के रीडिवेलपमेंट के लिए आरक्षित कर म्हाडा को धारावी के विकास के लिए स्पेशल प्लानिंग अथॉरिटी बनाया गया था। म्हाडा की तरफ से तब 27 बहुमंजिला इमारतों का निर्माण कर सैकड़ों लोगों को पक्के घर दिए गए थे।

कांग्रेसी सूत्रों के मुताबिक राहुल गांधी खुली जीप से धारावी पहुंचकर नुक्कड़ सभा के तौर पर अडाणी के खिलाफ मोर्चा खोल सकते हैं। 17 मार्च की शाम को राहुल गांधी की सभा के लिए कांग्रेस की तरफ से शिवाजी पार्क की अनुमति मांगी गई है। कांग्रेस की पूरी कोशिश है कि सभा के लिए शिवाजी पार्क की अनुमति मिले, लेकिन कांग्रेस को डर है कि राजनीतिक दबाव में पुलिस और बीएमसी अनुमति देने में आनाकानी कर सकते हैं। इसके लिए वैकल्पिक रूप से बीकेसी मैदान का भी विचार हो रहा है। इस सभा में महा विकास आघाडी के सभी वरिष्ठ नेता शामिल हो सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दमन में एक प्लास्टिक कंपनी में भीषण आग

दमकलकर्मियों की ८ टीमों ने घंटों तक पानी की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दमन में एक प्लास्टिक कंपनी में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है. मंगलवार आधी रात को लगी आग इतनी भीषण थी कि उस पर काबू पाने के लिए एक-दो नहीं बल्कि दमकलकर्मियों की आठ-आठ टीमें घंटों मशक्कत करती रहीं. गनीमत यह रही कि इस आग की घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन अनुमान है कि कंपनी के मालिक को लाखों का नुकसान हुआ है.

वलसाड जिले से सटे संघ प्रदेश दमन के सोमनाथ इलाके में स्थित एल्का पावर नाम की कंपनी में मंगलवार देर रात अचानक आग लग गई. कंपनी में आग लगने पर कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों में भगदड़ मच गई. कंपनी के कर्मचारियों ने कंपनी में लगे अग्नि सुरक्षा उपकरणों से आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों और राहगीरों ने घटना की जानकारी दी और तुरंत दमन फायरफाइटर को घटना की सूचना दी। दमन फायर टीम ने आसपास के फायर फाइटर्स की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की.

एक चालू कंपनी में अज्ञात कारणों से आग लग गई। एल्का पावर कंपनी में आग लगने की सूचना कंपनी के कर्मियों ने कंपनी प्रबंधन व शिफ्ट मैनेजर को दी. कंपनी प्रबंधन ने तुरंत कंपनी के कर्मचारियों को सुरक्षित कंपनी छोड़ने का निर्देश दिया. कंपनी के प्रशिक्षण कर्मियों ने कंपनी में लगे अग्नि सुरक्षा उपकरणों से आग पर काबू पाने का प्रयास किया. लेकिन पलक झपकते ही आग ने रौद्र रूप धारण कर लिया।

एक चालू कंपनी में अज्ञात कारणों से आग लग गई। एल्का पावर कंपनी में आग लगने की सूचना कंपनी के कर्मियों ने कंपनी प्रबंधन व शिफ्ट मैनेजर को दी. कंपनी प्रबंधन ने तुरंत कंपनी के कर्मचारियों को सुरक्षित कंपनी छोड़ने का निर्देश दिया. कंपनी के प्रशिक्षण कर्मियों ने कंपनी में लगे अग्नि सुरक्षा उपकरणों से आग पर काबू पाने का प्रयास किया. लेकिन पलक झपकते ही आग ने रौद्र रूप धारण कर लिया।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास की कंपनी के कर्मचारी और स्थानीय लोग आग पर काबू पाने के लिए तुरंत एल्का पावर कंपनी पहुंचे। घटना की जानकारी मिलने के बाद दमन फायर फाइटर की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की. एल्का पावर कंपनी में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक का सामान होने के कारण आग तेजी से फैलने लगी. आग की भयावहता को देखते हुए दमन फायरफाइटर टीम ने आसपास के इलाके की फायर टीम की मदद लेकर आग पर काबू पाने की कोशिश की.

दमन फायर फाइटर टीम समेत फायर फाइटर्स की कुल ८ टीमों ने एल्का पावर कंपनी के आसपास के इलाके से पानी की बौछारें कर आग पर काबू पाया.

अग्निकांड में कंपनी के अंदर बनी शीट की दीवार के कारण फायर फाइटर्स की टीम को आग पर काबू पाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। आग पर काबू पाने के बाद दमन फायरफाइटर टीम ने प्रारंभिक अनुमान लगाया कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है. दमन फायर सेफ्टी ऑफिसर ने बताया कि एल्का पावर कंपनी में आग लगने का सही कारण वलसाड एफएसएल टीम की मदद से पता चलेगा.

सूरत में कामरेज के पास नहर में फंसी यात्रियों से भरी बस, स्थानीय लोगों ने बचाई कई लोगों की जान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के कामरेज से एक बस दुर्घटना की सूचना मिली है। यहां कामरेज के लाडवी से कोसमाडा जाने वाले रास्ते पर यात्रियों से भरी एक बस नहर में गिर गई. हालांकि, गनीमत रही कि उस वक्त नहर में ज्यादा पानी नहीं था और बड़ा हादसा टल गया.

जानकारी के मुताबिक इस बस में यात्रियों की संख्या अधिक थी. हालाँकि, स्थानीय लोग तत्काल आधार पर बचाव अभियान चलाकर सभी को सुरक्षित बचाने में कामयाब रहे। इस दौरान कुछ लोगों को

मामूली चोटें आईं. खबरें हैं कि ड्राइवर के नियंत्रण खोने से यह हादसा हुआ. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस का बेड़ा भी मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया.

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस का बेड़ा भी मौके पर पहुंच गया

कामरेजना लाडवी से कोसमाडा जाने वाले रास्ते पर यात्रियों से भरी बस नहर में पलट गई.

कॉलेज से घर जा रही एक युवती को बाइक से रोककर एक अधेड़ व्यक्तिने अपहरण का प्रयास किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत के कापोद्रा इलाके में रहने वाली १७ साल की लड़की और बारडोली कॉलेज में पढ़ती है और शाम को जब सूर्यकिरण कॉलेज से निकल कर घर जा रही थी तो वाड़ी के पास एक ५० वर्षीय अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने आशादीप से दो बार पूछा कि स्कूल कहां है और फिर उसे जबरदस्ती बाइक पर ले जाने की कोशिश की. लोगों के जुटने पर युवक ने युवती की गर्दन पर हाथ फेरा और भाग गया। थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरूकर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मूल रूप से सौराष्ट्र के रहने वाले और सूरत के कापोद्रा इलाके में रहने वाले एक परिवार की १७ वर्षीय बेटी नेहा (बदला हुआ नाम) बारडोली कॉलेज में पढ़ती है। नेहा, जो कल सुबह हमेशा की तरह कॉलेज गई थी, लौट आई शाम ५ बजे चिकुवाडी सीएनजी पंप के पास एक निजी बस से सूरत के लिए। जब वह उतरकर घर जा रही थी, सूर्यकिरण की वाडी के पास एक ५० वर्षीय अजनबी बाइक पर उसके पास आया। बीच में, नेहा ने पूछा कि कहां आशादीप स्कूल था, उसने कहा कि वह आगे है और चलने लगी। हालांकि, वह बार-बार आशादीप स्कूल आया। पूछ रहा था कि नेहा आगे कहां है, अगर तुम्हें पता नहीं है तो आगे बढ़ो और किसी से पूछो, अधेड़ ने कहा कि तुम उसी ओर जा रहे हो सड़क फिर मेरी बाइक पर बैठो और मुझे आगे का रास्ता बताओ, नेहा ने मना कर दिया और चलने लगी।

तो बाइक सवार अधेड़ उम्र की बाइक नेहा के पास लाया और उसे गुस्से से बाइक पर बैठने के लिए मजबूर किया। उसने बाइक खड़ी रखी और उसका हाथ पकड़कर जबरदस्ती बैठाने लगा। नेहा ने विरोध किया, तो अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने उसका दाहिना पैर पकड़ लिया। और उसे बाइक पर बैठाया और उसकी गर्दन पर हाथ फेरा और नेहा तेजी से बाइक चला रही थी। वह उतरकर भाग गई। इससे लोग इकट्ठा हो गए। इसलिए अधेड़ उम्र का बाइक सवार वहां से भाग गया। नेहा ने इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी और बाद में कपोदरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू की। आगे की जांच दूसरे पीआई एमआर सोलंकी द्वारा की गई।

बाइक सवार युवती की गर्दन छूने की शिकायत : लोगों के जुटने पर अधेड़ युवती बाइक से उतर कर भागने लगी.

एलसीबी टीम ने फरार शराब तस्कर को पकड़ लिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एलसीबी टीम ने फरार शराब तस्कर को पकड़ा- ऑलपैड के हुसैन मालेक को उसके ही घर से पकड़ा, निगरानी ने विदेशी शराब अपराध में वांछित घोषित किया

सूरत जिला एल.सी.बी. शाखा की पुलिस टीम ने ऑलपाड के फरार शराब तस्कर हुसैन करीम मालेक को गिरफ्तार कर ऑलपाड पुलिस को सौंप दिया है. ऑलपाड पुलिस ने आगे की कार्रवाई की.

अंतिम तिथी २१ फरवरी को, राज्य सतर्कता पुलिस ने ऑलपाड के उपनगरीय इलाके में हुसैन मालेक के हलचल भरे विदेशी शराब अड्डे पर छापा मारा और ३६२ बोतलों के साथ कुल ३,६४,१७० रुपये के चोरी के सामान के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस अपराध का मुख्य आरोपी हुसैन करीम मालेक फरार था. सूचना के आधार पर एलसीबी शाखा की पुलिस टीम ने आरोपी हुसैन करीम मालेक (निवासी ऑलपाड, पारा क्षेत्र, झांपा पालिया) को उसके घर से गिरफ्तार कर ऑलपाड पुलिस को सौंप दिया. ऑलपाड पुलिस ने फरार शराब तस्कर को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की.

पुलिस ने बूचड़खाने ले जाए जा रहे पशुओं को मुक्त कराया।पुलिस

की अन्य कार्रवाइयों की बात करें तो सूचना के आधार पर पुलिस ने महेंद्र बोलेरो पिकअप पर क्रूरतापूर्वक वध करने की नियत से अवैध रूप से लादे जा रहे ७ पशुओं को पकड़ लिया। इसके साथ ही ड्राइवर और क्लीनर को गिरफ्तार कर लिया गया और पशु पैकर और खरीदार दोनों को वांछित घोषित कर दिया गया.

कोसांबा पुलिस को सूचना मिली कि भरूच जिले के सीलुडी गांव से एक पिकअप ट्रक कुछ जानवरों को बेरहमी से लादकर उन्हें काटने के इरादे से बूचड़खाने में ले जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने दिनोद क्षेत्र से सूचना वाली गाड़ी को जब्त कर लिया। पिकअप में कुल ७ पशु मिले। जिसके साथ ही पुलिस ने पिकअप चालक मोहसिन शेख और क्लीनर मुजमिन सैयद को गिरफ्तार कर लिया. इनकी जांच करने के बाद युसूफ गोदा और हथौड़ा के लियाकत भाई ने सीलूड़ी गांव से भैंस और पड़िया मंगवाई और उन्हें वांछित घोषित कर दिया।

एसीबी का सफल ट्रैप

३ हजार रूपए की रिश्वत लेते पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड भूमि कार्यालय अधीक्षक सह संग्रह अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ पर्यवेक्षक और पट्टेदार

वलसाड के भूमि कार्यालय के वरिष्ठ पर्यवेक्षक, अधीक्षक सह संग्रह अधिकारी कार्यालय और ३ हजार रूपए की रिश्वत लेने वाले भुगतानकर्ता की एसीबी ने तेजी से जांच की है।

वलसाड जिले के उमरगाम तालुक के कलगाम में संयुक्त स्वामित्व वाली भूमि में पुनः सर्वेक्षण की घोषणा के बाद पाए गए दोषों के सुधार के लिए जिला निरीक्षक भूमि सर्वेक्षक, वलसाड के कार्यालय में एक आवेदन किया गया था। आवेदक का प्रस्ताव देखने के बाद अधिकारी ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर काम हो जायेगा. प्रस्ताव तैयार करने के लिए अधिकारी ने पहले १० हजार रुपये की मांग की और शिकायतकर्ता ने इसे कम करने के लिए कहा और ९ मिनट में सौदा तय हो गया। डिजिटल ट्रांजैक्शन के जरिए ९ हजार भेजने के बाद आवेदक ने एसीबी टीम से संपर्क कर ३ हजार और की मांग की. वलसाड एसीबी टीम ने रिश्वत का जाल बिछाया और २ कर्मचारियों को रिश्वत की रकम लेते हुए पकड़ा.

८ से ११ मार्च के बीच अंतरराष्ट्रीय फॉकलोर फेस्ट २.० २०२४ का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के ताल ग्रुप के संस्थापक – आर्किटेक्ट कृतिका शाह और श्री. पवन कपूर प्रेसिडेंट्ट्

सीआईओएफएफ इंडिया के साथ चारू कैसल फाउंडेशन द्वारा सूरत नगर पालिका, क्राफ्टरूट्स, वस्त्रा के सहयोग से इंटरनेशनल फोकलोर डांस फेस्ट २.० २०२४ का आयोजन किया गया है। यह अयोजन ८ से ११ मार्च २०२४ के दौरान किया गया है। इस अंतर्राष्ट्रीय लोकगीत उत्सव में रोमानिया, पोलैंड, श्रीलंका, थाईलैंड और भारत के कलाकार अपने देश की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए लोक नृत्य प्रस्तुत करेंगे। स्वच्छता में नंबर १ हासिल करने वाले सूरत शहर के लिए यह अधिक खुशी और गर्व की बात है कि ताल ग्रुप द्वारा यह दूसरा अंतर्राष्ट्रीय लोक उत्सव ऐसे समय में गुजरात राज्य के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है। खास बात यह है कि सूरतवासियों को पांच देशों के लोक नृत्यों का निःशुल्क आनंद लेने का सौभाग्य मिलेगा। इसके अलावा युवा छात्रों को भारत की कला और संस्कृति का आनंद लेने का भी मौका मिलेगा।

संपूर्ण कार्यक्रम की संक्षिप्त जानकारी:

ता. ८ मार्च २०२४, शुक्रवार, समय- शाम ५ बजे,
उद्घाटन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्थान: सायंस सेंटर, सूरत
ता.९ मार्च, २०२४ शनिवार, समय- शाम ५.३० बजे,
सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्थान- ग्रामश्री ट्रस्ट, क्राफ्ट रूट, अहमदाबाद
ता.१० मार्च २०२४ रविवार,
पांच देशों के कलाकार दांडी नवसारी का दौरा करेंगे
ता. ११ मार्च २०२४ सोमवार, समय : ५.३०, सांस्कृतिक कार्यक्रम,
स्थान : वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय रंग मंच।

ताल ग्रुप की स्थापना २००५ में आर्कटिक कृतिका शाह के माध्यम से की गई थी। ताल ग्रुप एक पूर्ण महिला समूह है, जिसमें ८ से ६५ वर्ष की उम्र की महिलाएं सक्रिय रूप से शामिल हैं। गौरव की बात यह है कि कृतिका शाह को भारत सरकार द्वारा 'फिलाटेलिक सलाहकार समिति, संचार मंत्रालय' में नियुक्त किया गया है जिसमें वह वर्तमान में सक्रिय हैं। ताल समूह कई वर्षों से लोक कला, शास्त्रीय नृत्य और संगीत की अन्य शाखाओं में शिक्षा का पोषण और प्रस्तुति करके भारतीय कला और संस्कृति को बढ़ावा दे रही है। २००५ में स्थापित, 'ताल ग्रुप'

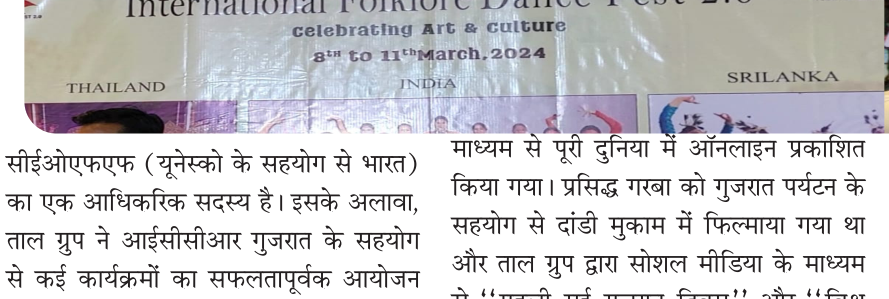

सीईओएफएफ (यूनेस्को के सहयोग से भारत) का एक आधिकरिक सदस्य है। इसके अलावा, ताल ग्रुप ने आईसीसीआर गुजरात के सहयोग से कई कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया। जैसे की 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के परिसर में वीडियो कैमरे से शूटिंग कर अलग अंदाज में मनाया पवित्र नवरात्रि उत्सव, गुजरात की पौराणिक गरबा की कृति को सोशल मीडिया के माध्यम से पूरी दुनिया में ऑनलाइन प्रकाशित किया गया। प्रसिद्ध गरबा को गुजरात पर्यटन के सहयोग से दांडी मुकाम में फिल्माया गया था और ताल ग्रुप द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से ''पहली मई गुजरात दिवस'' और ''विश्व नृत्य दिवस'' का निर्माण करके मनाया गया था। 'नायिका' और 'नायिका-२' नामक दो लोक नृत्य कार्यक्रमों में विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं को उनकी उत्कृष्ट समाज सेवा के लिए पुरस्कार देकर महिला दिवस मनाया गया। गुरुपूर्णिमा-२०२२ के अवसर पर 'सूरत के ऐतिहासिक किले' में पूरे गुजरात से नृत्य के विभिन्न क्षेत्रों के कलाकारों की प्रस्तुति देकर उनका सम्मान करते हुए एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ताल समूह द्वारा गुजरात, राजस्थान, बंगाल, पंजाब, महाराष्ट्र राज्यों के लोक नृत्य प्रस्तुत किये गये। भारत में अब तक 'श्री श्री रविशंकर वर्ल्ड फेस्ट-२०१५' दिल्ली और कलघोड़ा फेस्टिवल-२०१७ और २०१९, मुंबई में लोक नृत्य प्रस्तुत कर चुकी हैं। ताल ग्रुप ने सूरत नगर पालिका और सीआईओएफएफ इंडिया और सोशल फेस की संयुक्त पहल के रूप में वर्ष २०२० में एक अद्वितीय 'अंतर्राष्ट्रीय लोकगीत नृत्य महोत्सव -२०२०' का आयोजन किया था। जिसमें पोलैंड, स्लोवाकिया, इंडोनेशिया, रोमानिया और भारत के मुर्गा नृत्य की शानदार प्रस्तुति हुई। उस अवसर पर प्रधानमंत्री मा. नरेंद्र मोदी द्वारा ताल समूह की महिलाओं को प्रोत्साहन और शुभकामनाओं के साथ अद्भुत संदेश देकर सबसे यादगार और गौरवपूर्ण उत्सव बनाया था। ताल समूह की महिलाओं ने भारत के विभिन्न राज्यों जैसे गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, बंगाल, पंजाब के लोक नृत्यों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जॉर्जिया, बुल्गारिया, स्विट्जरलैंड, प्रयाग, बेल्जियम इजराइल, ब्राजील, रोमानिया, कोरिया आदि देशों में अंतर्राष्ट्रीय लोक महोत्सव में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।